अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 26 लखनऊ, बुधवार, 06 अगस्त 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी 'एसआईआर' : ममता बनर्जी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की योजना की शुरुआत भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की देन है और इसे चुनाव आयोग की मिलीभगत से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाली भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजने की कोशिश हो रही है। घाटाल में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर पहुंचीं मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लयह (एसआईआर) केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें चुनाव आयोग को भी साथ रखा गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। हर किसी के लिए अपने माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र सुरक्षित रखना संभव नहीं है।ङ्क उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू नहीं होने देंगी, जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

भारत की ई-वीजा प्रणाली से विदेशी यात्रियों को मिल रही सहूलियतः गृह राज्यमंत्री

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विदेशी पर्यटकों, व्यवसायियों, छात्रों और पेशेवरों के लिए ई-वीजा प्रणाली को और अधिक सरल, लचीला और तकनीकी रूप से उन्नत बनाकर देश में वैध आव्रजन को सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह जानकारी गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि ई-वीजा प्रणाली को पहली बार नवंबर 2014 में 43 देशों के नागरिकों के लिए शुरू किया गया था, जबकि वर्तमान में यह सुविधा 172 देशों के नागरिकों को उपलब्ध है। इसके तहत यात्री भारत के 32 नामित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और 6 प्रमुख बंदरगाहों से देश में प्रवेश कर सकते हैं।

दिल्ली में लाल किले के पास 5 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के आसपास जांच के दौरान पांच संदिग्ध युवकों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि ये सभी 20 से 25 वर्ष की आयु के युवक बांग्लादेश के नागरिक हैं। यह पिछले 3-4 महीने पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार जांच में इन युवकों के पास न तो लाल किले में प्रवेश का वैध पास था और न ही कोई वैध भारतीय दस्तावेज। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में मजदूरी का काम कर रहे हैं और घूमने की मंशा से लाल किला देखने आए थे।

धराली आपदा : बादल फटने से चार की मौत, कई लापता

- मुख्यमंत्री धामी पहुंचे राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष, हेल्पलाइन नंबर जारी
- प्रधानमंत्री ने धराली में हुई त्रासदी पर शोक जताया

युद्धस्तर पर चल रहा राहत व बचाव कार्य

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में प्राकृतिक आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। इस आपदा में चार लोगों की मौत हुई और कई लोग लापता है।आपदा की तबाही को देखते हुए सरकार ने प्रभावित इलाकों के अस्पतालों में बड़े स्तर पर इलाज संबंधी तैयारियां कर रखी हैं।दिल्ली सहित आसपास के इलाकों से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी की कई टीमें धराली गांव की ओर भेजी गई हैं। नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की ओर से दो हेलीकॉप्टर भी राहत और बचाव कार्यों के लिए तैयार हैं। राज्य ने वायुसेनासे भी मदद मांगी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित राहत और बचाव कार्य संचालित हो रहे हैं। निकटवर्ती राजकीय चिकित्सालयों के साथ एम्स, देहरादून में भी बेड आरक्षित कर दिए गए हैं। पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस भी तैयार हैं। खतरे को देखते हुए स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। धराली गांव के पास हर्षिल पीएचसी, भटवाड़ी पीएचसी, जिला अस्पताल उत्तरकाशी में भी घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं।

इसी बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपना दौरा निरस्त कर देहरादून स्थित राज्य आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे। वे धराली क्षेत्र में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और शासन के वरिष्ठ अधिकारी उनके संपर्क में रहकर संबंधित एजेंसियों की ओर से युद्ध स्तर पर राहत कार्य पर नजर रख रहे हैं। प्रभारी मुख्य सचिव आरके सुधांशु ने प्रधानमंत्री कार्यालय और केन्द्रीय गृह मंत्रालय को घटना के संबंध में पूरी जानकारी दे दी है। प्रमुख सचिव आरके सुधांशु ने बताया कि केंद्र सरकार ने राहत और बचाव कार्यों में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

जर्जर विद्यालय भवनों की होगी पहचान मूल्यांकन और तत्काल ध्वस्तीकरण

- सुरक्षा सर्वोपरि: लापरवाही पर सख्त कार्यवाही तयः संदीप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए विभाग ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढाँचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें। यह निर्णय हाल ही में कुछ विद्यालय परिसरों में जर्जर भवनों की स्थिति उजागर होने के बाद लिया गया है, जिससे बच्चों की जान को खतरा और विभाग की छवि दोनों प्रभावित हुए हैं। अब विभाग का फोकस है, 'सुरक्षा, जवाबदेही और त्वरित कार्रवाई। इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विभिन्न जनपदों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जनपद में जर्जर ढाँचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढाँचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

नीट-यूजी, एक अभ्यर्थी का परीक्षा परिणाम का पुनर्मूल्यांकन करें: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 के अभ्यर्थी की याचिका पर उसके परीक्षा परिणाम का एक सप्ताह में पुनर्मूल्यांकन करने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने रॉबिन सिंह की रिट याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस संबंध में आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत अपने आप में 'दुर्लभतम' सवाल उठाने वाली इस याचिका पर अगली सुनवाई 12 अगस्त को करेगी। याचिकाकर्ता ने प्रश्न पत्र और ओएमआर शीट के क्रम संख्या में असमानता की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसकी वजह से उसकी रैंकिंग में गिरावट आई है।

पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनने के बाद कहा, ह्लप्रक्रिया महत्वपूर्ण है। वह (याचिकाकर्ता) प्रक्रिया के लिए आया है। उसे सीट (दाखिला) तो नहीं मिलेगी, लेकिन कम से कम उसे इस बात का संतोष तो होगा कि शीर्ष न्यायालय ने इस पहलू पर गौर किया है। पीठ के समक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे दलील देते हुए कहा कि प्रश्न पत्र पुस्तिका नत्थी (स्टेपल) ठीक से नहीं करने के कारण यह समस्या हो सकती है। यह दुर्लभतम मामला है और ऐसे मामले आमतौर पर नहीं होते। इस पर पीठ ने कहा यह एक गंभीर गलती हो सकती है, लेकिन फिर भी उन्होंने सुझाव दिया कि उम्मीदवार की संतुष्टि के लिए प्रश्नपत्र की मैन्युअल जाँच की जा सकती है।

स्वदेशी अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है : योगी

सीएम योगी ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक जनपद एक उत्पाद(ओडीओपी) योजना आज देश के अंदर एक मॉडल बनी हुई है। योगी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज स्वदेशी अपनाना हम सब लोगों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमारा ही पैसा अगर हमारे ही कारीगर और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा। प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगी। सीएम योगी मंगलवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 958 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगर हमारा यह पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, विस्फोट, भारत को अस्थिर करने के लिए भारत के खिलाफ ही इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने आने वाले सभी त्योहारों पर लोगों से अपने स्वजनों को स्वदेशी उत्पादों को गिफ्ट के रूप में देने की अपील की।

समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भगवान कृष्ण के रूप में सजे बच्चों को दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट, माखन और खिलौने भेंट किए। मुख्यमंत्री योगी ने अलीगढ़ को 957 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उपहार देते हुए कहा कि रक्षाबंधन के ठीक पहले अलीगढ़ को यह विकास का तोहफा समर्पित है। इन परियोजनाओं में पेयजल पुनर्गठन योजना, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अतरौली से रेलवे स्टेशन मार्ग का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण, अतरौली में डिग्री कॉलेज और 900 किलोलीटर क्षमता के जलाशय का लोकार्पण शामिल है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जो अलीगढ़ को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। योगी ने कहा कि ये परियोजनाएं अलीगढ़ को एक नई पहचान देंगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेंगी। जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने अलीगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित किया।

फिलीपींस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई शुरुआत : मोदी

- भारत-फिलिपींस संबंधों को मिला रणनीतिक साझेदारी का दर्ज़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने संयुक्त रूप से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्ज़ा देने की मंगलवार को घोषणा की। इस अवसर पर भारत और फिलीपींस के बीच कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां के हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस वर्ष भारत और फिलीपींस अपने कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं और राष्ट्रपति मार्कोस की भारत यात्रा इस संदर्भ में विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा, ह्लहमारे कूटनीतिक संबंध भले ही नए हैं, लेकिन हमारी सभ्यताओं के संपर्क बहुत प्राचीन हैं। फिलीपींस की रामायण महाराडिया लवाणा इसका प्रमाण है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान दोनों देशों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक, पर्यटन तथा रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने वाले समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। भारतीय और फिलीपींस सशस्त्र बलों के बीच तीन संदर्भ शर्तों का आदान-प्रदान भी हुआ, जो रक्षा सहयोग में बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और फिलीपींस का द्विपक्षीय व्यापार तीन अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। इसे और मज़बूत करने के लिए भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, ह्लहम विकास साझेदारी के अंतर्गत फिलीपींस में त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएंगे और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग देंगे।रक्षा सहयोग के क्षेत्र में, भारतीय नौसेना के तीन जहाज़ फिलीपींस में नौसैनिक अभ्यास में भाग ले रहे हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत हो रहे समुद्री संबंधों का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश मानवीय सहायता, आपदा राहत और खोज व बचाव अभियानों में एक-दूसरे के साथ मिलकर कार्य करते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फिलीपींस द्वारा भारतीय नागरिकों को वीज़ा-फ्री एंट्री देने के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत भी फिलीपींस के पर्यटकों को मुफ़्त ई-वीज़ा सुविधा देगा। दिल्ली और मनीला के बीच सीधी उड़ानों की शुरुआत के लिए प्रयास जारी हैं। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और महासागर विजन का अहम साझेदार है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और नियम आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्लभारत और फिलीपींस अपनी इच्छा से मित्र हैं और नियति से साझेदार। हमारी यह दोस्ती सिर्फ़ अतीत का संबंध नहीं है, बल्कि भविष्य का एक वादा है।

फ्राड साबित होने तक किसी को दोषी ठहराना सही नहीं : उच्च न्यायालय

- सहायक अध्यापक की बर्खास्तगी रद्द, तत्काल बहाली का निर्देश

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब तक फ्राड साबित न हो जाय किसी को दोषी नहीं माना जा सकता। कोई प्रमाणपत्र विभागीय गलती से जारी हो जिसमें लाभार्थी की कोई भूमिका न हो तो इसे अनियमितता ही कहेंगे। कोर्ट ने कहा याची के पितामह स्वतंत्रता सेनानी थे।

जब याची 16 साल का था तो स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाणपत्र जारी किया गया था। किंतु रजिस्टर पर दर्ज नहीं किया गया। बाद में 31 साल की आयु में दुबारा प्रमाणपत्र जारी किया गया। उसे दोहरे प्रमाणपत्र व फ्राड करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया। जिसे याचिका में चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने कहा प्रमाणपत्र जारी कराने में याची का कोई रोल नहीं है। फ्राड करके प्रमाणपत्र हासिल किया है, इसे साबित नहीं किया गया है। विभागीय गलती के लिए उसे दंडित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नवतेज कुमार सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बलिया को तत्काल याची की सहायक अध्यापक पद पर बहाल कर काम करने देने का निर्देश दिया है।

उपमुख्यमंत्री से मिले जल निगम कर्मी एवं पेंशनर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सातवें माह भी विगत 6 माह का बकाया वेतन/ पेंशन न मिलने से त्रस्त जल निगम कर्मियों/ पेंशनरों की पीड़ा को लेकर जल निगम संघर्ष समिति का 8 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी से मिला। प्रतिनिधि मण्डल ने उपमुख्यमन्त्री को अवगत कराया कि जल निगम में सातवाँ वेतनमान लागू न होने तथा मंहगाई भत्ता / राहत 252 प्रतितशत के स्थान पर 212 प्रतिशत (40 प्रतिशत कम देकर) आधा अधूरा वेतन/पेंशन ही दिया जा रहा है, वह भी सातवाँ महीना चल रहा है। गत 6 माह के बकाया वेतन, पेंशन का कोई अता पता नहीं है कि वह कब मिलेगा। जल निगम में वर्तमान में केवल 25 प्रतिशत स्टाफ रह जाने से चार-चार पटलों का कार्य एक कर्मचारी से लिया जा रहा है। इतने परिश्रम के बाद भी वेतन/पेंशन के नाम पर हर महीने हाथ खाली।

उपमुख्यमन्त्री ने प्रतिनिधि मण्डल की बात विस्तार से सुनी तथा प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया कि वह इस विषय को मा0 मुख्यमन्त्री जी के संज्ञान में लाकर उनसे वेतन / पेंशन भुगतान हेतु वार्ता करेगें तथा शीघ्र ही समस्याओं का निराकरण कराने का प्रयास करेगें।

उपमुख्यमन्त्री से मिलने वालों में संघर्ष समिति के संयोजक वाई0 एन0 उपाध्याय, राम अधार पाण्डेय, एस0 पी0 मिश्रा, अजयपाल सिंह सोमवंशी, वी0 के बाजपेयी, विनय कुमार यादव, गिरीश कुमार वर्मा, मंजीत कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

उज्जैन से हिंगलाज तक 10 स्थानों पर होगी भागवत कथा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हरदोई। ज्ञान यज्ञ सबसे बड़ा यज्ञ है और भागवत कथा सुनने का अवसर बड़े सौभाग्य से मिलता है। यह उद्गार देवी माहेश्वरी श्री जी ने हरदोई के अल्लीपुर स्थित डाक्टर राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय कथा के छठे दिन व्यक्त किए । देवी माहेश्वरी जी ने आज की कथा में रुक्मिणी विवाह का का प्रसंग सुनाया । देवी माहेश्वरी जी ने कहा कि आगामी दिनों में महाकाल की नगरी उज्जैन से लेकर पाकिस्तान के बलूचिस्तान में माता हिंगलाज देवी मंदिर तक तक दस स्थानों पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। इन दस स्थानों में आंध्र प्रदेश में स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर, असम के कामाख्या धाम और उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में भी श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। जो भक्त इन स्थानों पर जाकर कथा श्रवण करना चाहते हैं वह स्थान आरक्षित करा लें। देवी माहेश्वरी जी ने आज की कथा में श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह का प्रसंग सुनाया ।

देवी माहेश्वरी जी ने कहा कि सर्वप्रथम रामचरित मानस सुनें। तब रास सुनें और तत्पश्चात महारास सुनें। देवी माहेश्वरी ने लीला के तीन प्रकार बताए। कुंज लीला, निकुंज लीला और निवृत्त कुंज की लीला। देवी माहेश्वरी जी ने शरद पूर्णिमा की रात होने वाले महारास की लीला भी सुनाई। भगवान कृष्ण की बांसुरी की धुन पर जो गोपी जहां जिस स्थिति में थी वह वैसी ही चली आई। यह गोपिकाएं वेदों की ऋचाएं हैं, मत्स्य कन्याएं हैं, कूर्म कन्याएं हैं। रास आत्मा और परमात्मा का मिलन है। आत्मा का पति परमात्मा है। कथा में परीक्षित की भूमिका में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुशील चंद्र त्रिवेदी मधुपेश व उनकी धर्मपत्नी पुष्पा त्रिवेदी इस कथा को बड़े ही भक्ति भाव से श्रवण कर रहे हैं।

कभी गड्ढों से होती थी यूपी की पहचान, आज एक्सप्रेसवे दिला रहे सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, जो कभी गड्ढों से भरी सड़कों, बदहाल बुनियादी ढांचे और विकास की सुस्त रफ्तार के लिए पहचाना जाता था, आज देश के सबसे तेजी से विकसित होते राज्यों में शुमार हो चुका है। 2017 से पहले की सरकारों के कार्यकाल में न तो ठोस इच्छाशक्ति थी और न ही स्पष्ट योजना। राज्य में निवेश का सूखा था, सड़कों की हालत जर्जर थी, हवाई और रेल कनेक्टिविटी सीमित थी और शहरी विकास अव्यवस्थित था।

'एक जिला, एक माफिया' की पहचान वाला उत्तर प्रदेश, कानून-व्यवस्था और अधोसंरचना दोनों मामले में पिछड़ा हुआ माना जाता था। लेकिन 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जब प्रदेश में सुशासन की बागडोर संभाली गई, तब केंद्र-राज्य समन्वय की बदौलत उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति की नींव पड़ी। आज एक्सप्रेसवे से लेकर एयरपोर्ट तक, मेट्रो से लेकर वॉटरवे तक हर क्षेत्र में यूपी देश को नेतृत्व दे रहा है। आज सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की नई आर्थिक रफ्तार का इंजन बन चुका है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान गड्ढायुक्त सड़कों से होती थी। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे अधूरा था और पूर्वांचल, बुंदेलखंड तथा गंगा एक्सप्रेसवे जैसी योजनाएं केवल फाइलों में सिमटी थीं। गांव और कस्बे शहरों से कटे हुए थे, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती थीं। आज वही प्रदेश देश में सर्वाधिक एक्सप्रेसवे वाला राज्य बन चुका है। गोरखपुर लिंक, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और आने वाले दिनों में गंगा एक्सप्रेसवे की सौगात प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 7 एक्सप्रेसवे संचालित हो रहे हैं, जबकि 15 एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन और प्रस्तावित हैं। गंगा एक्सप्रेस वे के पूरा होते ही देश में हर 10 में 6 किमी. एक्सप्रेसवे का हिस्सा उत्तर प्रदेश में होगा। यूपी में एक्सप्रेसवे न केवल राजधानी या बड़े शहरों, बल्कि बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई जैसे क्षेत्रों को भी जोड़ रहे हैं। यही नहीं, प्रत्येक एक्सप्रेस वे के साथ औद्योगिक क्लस्टर, एमएसएमई पार्क और कृषि आधारित व्यवसाय

- कभी गड्ढों से होती थी यूपी की पहचान, आज एक्सप्रेसवे दिला रहे सम्मान
- सीएम योगी के नेतृत्व में उप्र केवल एक राज्य नहीं बल्कि भारत की नई आर्थिक रफ्तार का बना इंजन

विकसित किए जा रहे हैं जो अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा दे रहे हैं। 2017 से पहले यूपी में केवल लखनऊ और गोरखपुर एयरपोर्ट प्रमुख रूप से क्रियाशील थे। इंटरनेशनल कनेक्टिविटी केवल लखनऊ तक सीमित थी। आज उत्तर प्रदेश में 16 हवाई अड्डे क्रियाशील हैं, जिनमें 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट (लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर, अयोध्या) शामिल हैं। जेवर में देश का सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है, जिसके 2025 के अंत तक परिचालन में आने की पूरी सम्भावना है। प्रदेश 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट और 16 घरेलू हवाई अड्डों के साथ 21 एयरपोर्ट वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। 2017 से पहले केवल लखनऊ मेट्रो पर काम चल रहा था, जिसकी रफ्तार भी बेहद धीमी थी। आज यूपी में लखनऊ, कानपुर और आगरा समेत 5 शहरों में मेट्रो की सुविधा है, जबकि दिल्ली।मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल शुरू हो चुकी है और जल्द ही मेरठ में मेट्रो सुविधा शुरू होने वाली है। इसके अतिरिक्त कई अन्य शहरों (प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, बरेली) में मेट्रो ग्राउंड वर्क जारी है, जिन्हें 2025ऽ26 तक चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की योजना है। इस तरह, यूपी अब देश का वह राज्य है जिसमें सर्वाधिक शहरों में मेट्रो सेवाएं संचालित हैं। वहीं, वाराणसी से हल्दिया तक वॉटरवे और अन्य जलमार्गों पर भी काम हो रहा है। उत्तर प्रदेश में भारत का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क (16 हजार किमी. से अधिक) है। 2017 से पहले यूपी निवेश के नक्शे से बाहर था। लॉजिस्टिक हब और वेयरहाउसिंग की कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। आज जेवर एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल डिवाइस पार्क और डेटा सेंटर पार्क जैसे प्रोजेक्ट्स से यूपी निवेश और रोजगार का हब बनता जा रहा है। केवल यीडा क्षेत्र में ही 2023-25 के दौरान 27,521 करोड़ का निवेश और 16,405 नए रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, लखनऊ में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क, बरेली में मेगा फूड पार्क, उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क, वाराणसी में पहला फ्रेट विलेज समेत कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। 2017 से पहले यूपी के शहर कूड़े और अराजकता के लिए बदनाम थे। आज 17 नगर निगम स्मार्ट सिटी बन चुके हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सभी 17 नगर निगमों में 10 हजार 300 करोड़ से अदिक की 757 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। लखनऊ, कानपुर और वाराणसी को स्टेट डेवलपमेंट रीजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। सीसीटीवी नेटवर्क, सेफ सिटी प्रोजेक्ट और क्लीन सिटी मिशन ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। वाराणसी में देश की पहली रोपवे सेवा भी शुरू होने जा रही है। बीते 8 वर्षों में प्रतिदिन औसतन 11 किमी. नई सड़क और 9 किमी. सड़क चौड़ीकरण हुआ है। अब तक 32,000+ किमी. ग्रामीण मार्ग और 25,000 किमी. सड़कें सुदृढ़ हो चुकी हैं। हर जिला मुख्यालय को फोरलेन, तहसील को फोरलेन और ब्लॉक को टू/फोरलेन सड़कों से जोड़ने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में हुए सुधार से पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है। 2017 में जहां यूपी में 21 करोड़ पर्यटक आते थे, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 67 करोड़ तक पहुंच गई। प्रयागराज महाकुम्भ में ही 67 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। बढ़ती कनेक्टिविटी, धार्मिक शहरों का कायाकल्प और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश ने यूपी को पर्यटन की राजधानी बना दिया है।

एक्सप्रेस वे के आस पास की संपत्तियों पर विकास शुल्क बढ़ाने की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब एक्सप्रेसवे के आसपास की संपत्तियों के लिए विकास शुल्क बढ़ाने की योजना बना रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इसको लेकर मंगलवार को एक बैठक बुलाई थी जिसमें कई प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

प्राधिकरण के अधिकारियों की मानें तो जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के लिए एक एजेंसी नियुक्त करने और अनंतनगर आवास योजना, आईटी सिटी सहित आगामी आवासीय योजनाओं के लिए बजट आवंटित करने के प्रस्ताव पर प्राधिकरण ने बैठक बुलाई थी जिसमें इन मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि, शहीद पथ, किसान पथ और ग्रीन कॉरिडोर के 500 मीटर के दायरे में स्थित संपत्तियों के लिए विशेष सुविधा शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई है। एकत्रित राशि का उपयोग इन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और नागरिक सुधारों के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, जेपीएनआईसी के प्रबंधन और एलडीए को नियंत्रण हस्तांतरित करने के लिए एक एजेंसी को मंजूरी देने का मामला भी बैठक में उठा। इसके अलावा, अनंतनगर, आईटी सिटी और कामधेनु नगर सहित आवासीय योजनाओं के लिए बजट आवंटन की समीक्षा की गई। बोर्ड में कबीर नगर देवपुर पारा आवास योजना में निर्माणाधीन फ्लैटों को 1बीएचके और 2बीएचके इकाइयों में परिवर्तित करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। ऐशबाग, बसंत कुंज, गोमती नगर (विराज खंड) और गोमती नगर एक्सटेंशन के सेक्टर-4 में नई समूह आवास योजनाओं पर मंथन किया गया। मूल रूप से टेलीफोन एक्सचेंज, डाकघरों और सबस्टेशनों के लिए निर्धारित भूखंडों के भूमि उपयोग में परिवर्तन का प्रस्ताव किया गया है, जिनका उपयोग आवासीय विकास के लिए किया जाएगा। एलडीए, बसंत कुंज में लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट को ई-ऑटो चार्जिंग स्टेशन के लिए भूमि आवंटित करने के प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। इसमें चारबाग में यूपीएसआरटीसी की भूमि पर पीपीपी मोड में बनने वाला एक बस टर्मिनल भी विचाराधीन है।

ऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''भौतिकीय एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, अम्बेडकर विश्वविद्यालय कैम्प, रायबरेली रोड, लखनऊ'' के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 445वाँ ऋषि वाड्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्री अर्चना गुप्ता ने लोक कल्ल्याण निमित्त भेंट किया तथा उपस्थित संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की।

इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ल्लऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वी0सी0 आर0के0 मित्ल ने इस ज्ञानयज्ञ के लिये प्रसन्नता व्यक्त की।

यूपी की 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त को लाल किले पर ध्वजारोहण की बनेंगी साक्षी

- यूपी की सशक्त हुईं महिलाएं बनेंगी केंद्र सरकार की विशिष्ट अतिथि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में उत्तर प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनीं इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रहीं 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश का रहेगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इन सभी लखपति दीदियों की मेजबानी करेंगे। ठहरने और खाने पीने की व्यवस्था रक्षा मंत्रालय की तरफ से की जा रही है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की टीम के साथ यूपी से दो विशेष प्रतिनिधि भी दिल्ली जाएंगे। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में खासा उत्साह है। प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी। इन बहनों की मेजबानी स्वयं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इन महिलाओं के साथ उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दो विशेष प्रतिनिधि भी दिल्ली जाएंगे, जो वहां इनका मार्गदर्शन और सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इनकी सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ से इन सभी को रवाना करेंगे। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त हो रही हैं। लखपति दीदी अभियान ने गरीब ग्रामीण महिलाओं को सशक्त उद्यमी बनने का मार्ग दिखाया है। आज वे लाखों में कमा रही हैं और गांवों में बदलाव की नई इबारत लिख रही हैं।

अस्पताल से लौट रहे बाप-बेटे की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में काकोरी के मोहान रोड स्थित दौली खेड़ा मोड़ पर सोमवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इसमें उन्नाव निवासी बाप-बेटे की मौत हो गई। बाप बाइक से बेटे के साथ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती अपनी पत्नी को देखकर घर लौट रहा था। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों हवा में उछलकर दूर जा गिरे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी धर्मपाल (46) और उनके बेटे गोविंद (26) के रूप में हुई है। दोनों लखनऊ में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती धर्मपाल की पत्नी का हालचाल लेकर देर रात ढाई बजे के करीब बाइक से घर लौट रहे थे। काकोरी थाना प्रभारी सतीश कुमार राठौर के मुताबिक, बाइक चला रहे गोविंद ने हेलमेट नहीं पहना था। दौली खेड़ा मोड़ पर तेज रफ्तार में आए अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया।

बसपा की छवि धूमि करने वालों से रहे सावधान कार्यकर्ता: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर कहा है कि उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक दल या संगठन के साथ नहीं हैं। फिर भी कुछ लोग मीडिया की मदद से पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों से पार्टी के कार्यकर्ता सावधान रहें। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जैसा कि सर्वविदित है कि बसपा ना भाजपा के एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इण्डिया समूह (गठबंधन) के साथ है। ना ही अन्य किसी और भी फ्रन्ट के साथ है। बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त व नीति पर चलने वाली पार्टी है। इसके बावजूद भी खासकर दलित एवं अन्य पिछड़े वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया चैनल बसपा की छवि को बीच-बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुक़्सान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं। मायावती ने बकायदा नाम लेते हुए कहा कि अभी हाल ही में एक टीवी चैनल ने अपने यूट्यूब चैनल पर दिखाया कि बसपा ने भाजपा के साथ आने का ऐलान कर दिया है। मैं यह कहती हूं कि यूट्यूब चैनल ने बिल्कुल गलत और तथ्यहीन खबर चलायी है। इस प्रकार से टीवी चैनल ने जो पार्टी की छवि को खासकर चुनाव के पूर्व इस प्रकार का आघात पहुंचाने का जो यह घिनौना प्रयास किया है, उसकी जितनी भी निन्दा व भर्त्सना की जाये, वह कम है।

काकोरी कांड की 100वीं वर्षगांठ भव्य तरीके से मनाने की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार आजादी की लड़ाई की एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में इतिहास में दर्ज 'काकोरी कांड' की 100वीं वर्षगांठ को रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं और तिरंगा मेले जैसी कई गतिविधियों के साथ मनाएगी। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के काकोरी इलाके में स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश राज के खिलाफ अपनी लड़ाई के लिए हथियार खरीदने के मकसद से ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया था। राम प्रसाद 'बिस्मिल', अशफाकउल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह को इस घटना में शामिल होने के कारण ब्रिटिश सरकार ने 1927 में फांसी दे दी थी। राज्य सरकार द्वारा यह जारी एक बयान के मुताबिक संस्कृति विभाग ने काकोरी कांड के शताब्दी वर्ष पर प्रभात फ़ेरी, मोटरसाइकिल रैली, स्वतंत्रता आंदोलन की एक प्रदर्शनी और वृक्षारोपण अभियान की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि आठ अगस्त को राज्य के विभिन्न शहीद स्मारकों पर राष्ट्रगान का वाद्य संस्करण बजाया जाएगा। बयान में कहा गया, ''काकोरी के विभिन्न स्कूलों के लगभग 300 छात्रों के विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी इन कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। लखनऊ की मंडलायुक्त रोशन जैकब ने सोमवार शाम को एक बैठक में काकोरी के बाजनगर स्थित काकोरी स्मृति स्थल पर तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए।

समर्थ पोर्टल के जरिये होंगे एमबीबीएस, बीडीएस के दाखिले

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नीट यूजी 2025 के तहत एमबीबीएस और बीडीएस में पहले चरण की च्वाइस फीलिंग के बाद दाखिले के इच्छुक छात्रों के प्रवेश समर्थ पोर्टल के जरिये होंगे। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि सरकार की मंशा केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है। इस बाबत किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. वीरेंद्र आतम की ओर से आदेश जारी किया गया है। समर्थ को लागू करने के पीछे सरकार की मंशा है कि पोर्टल के जरिये होने से पूरा डेटा संग्रहित रहेगा। जरूरत पड़ने पर एक क्लिक में पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी। इसको देखते हुए सरकार ने 2025-26 से समर्थ पोर्टल को अनिवार्य कर दिया है। ऐसे में जैसे बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों के प्रवेश ज्यादातर विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही हो रहे हैं। उसी तरह से अब मेडिकल के दाखिले भी पोर्टल पर होने हैं। इसके लिए नीट काउंसिलिंग के माध्यम से केजीएमयू में मौका पाने वाले अभ्यर्थियों को खुद को समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। इसके लिए उन्हें फोटो, हस्ताक्षर, नीट स्कोर कार्ड और परिचय पत्र अपलोड करना होगा। इसके बाद स्नातक कोर्स का विकल्प चुनकर सबमिट के बटन पर क्लिक करना होगा। प्रो वीरेंद्र आतम का कहना है कि इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रवेश का डाटा एक ही प्लेटफॉर्म पर रहेगा।

कासिम शहीद बाबा का तीन दिवसीय उर्स आज से, सभी तैयारियाँ पूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द का प्रतीक उत्तर प्रदेश की राजधानी की अति प्रसिद्ध दरगाह हजरत कासिम शहीद बाबा का सालाना उर्स मुबारक व मेला 06.08.2025 को आरम्भ हो रहा है। उर्स के मौके पर सज्जादानशीन,संरक्षक दरगाह कमेटी ने बताया कि कासिम शहीद बाबा बहराइच शरीफ की मशहूर दरगाह सैय्यद सालार मसूद गाजी रहमतुल्लाह अलैह के प्रमुख साथियों में से हैं। कासिम बाबा का उर्स मुबारक सफर माह चेहल्लुम की 11, 12, 13 तारीख को मनाया जाता है। तारीख 06.08.2025 को शाम 06रू30 बाद नमाज मगरिब मिलाद शरीफ होगा, जिसमें हजरत मौलाना सैय्यद अंसार साहब, कारी जमील साहब, हाफिज शहजाद साहब, हाफिज मो0 अली साहब, मो0 तारीक साहब, मो0 सद्दाम साहब, हाफिस जलीस साहब खिताब करेंगे। शाम 08.30 बाद नमाज इशा परम्परानुसार सज्जादा नशीन के घर से सरकारी चादर हजारों जायरीन के साथ दरगाह शारीफ पर कव्वाली के साथ चढ़ाई जायेगी, उसके बाद उर्स मुबारक का उद्घाटन होगा। रात 09.00 बजे नातिया मुशायरा जिसमें शायर शारिक लहरपुरी, डॉ हारुन राषिद, इरफान लखनवी, रहमत लखनवी, सलीम तबिश, शमषेर आलम साहबपुरी, कमर सीतापुरी, खलील शब्बू नातिया मुशायरे में षिरकत करेंगे सभी जायररीनों के लिये लंगर तकसीम (भण्डारा वितरण) किया जायेगा। दरगाह कमेटी ने जायरीनों के लिए सालाना उर्स की जानकारी, सुझाव वा षिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9335242288 जारी किया है। तारीख 07.08.2025 को सुबह 06.30 बजे कुरान ख्वानी होगी, शाम 06.30 बजे दरगाह कमेटी की चादर पोशी व गुलपोशी दरगाह शरीफ पर कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर आली जनाब जमीर अहमद खाँन वारसी मरहूम के इशाले सवाब में जायरीनों को लंगर तकसीम (भण्डारा वितरण) दरगाह के सज्जादा नशीन जुबैर अहमद खाँन के करकमलों द्वारा किया जायेगा। रात 8:30 बजे विषेश कव्वाली प्रोग्राम महफिल-ए-शमा जिसमें दिलशाद कानपुर, जाफर नियाजी लखनऊ, फराज नियाजी बरेली, लतीफ अजमेरी कानपुर, गुलाम अली देवा शरीफ, दिलकश वारसी लखनऊ, निसार अहमद लखनऊ, हनीफ ताज कादरी झाँसी षिरकत करेंगे तारीख 08.08.2025 को सुबह 06.00 बजे कुरान ख्वानी होगी। शाम 06:30 बजे जायरीनों की चादर पोशी की जायेगी। इस अवसर पर प्रमुख राजनैतिक दलों के नेतागण के द्वारा दरगाह शरीफ पर चादरपोशी की जायेगी। रात 08.00 बजे महफिले शमा नातिया कव्वाली प्रोग्राम होगा जो पूरी रात चलेगा साथ ही साथ लंगर तकसीम (भण्डारा वितरण) भी चलता रहेगा। पूरी रात कव्वाली के बाद तारीख 09.08.2025 को सुबह 04.00 बजे विजेता कव्वाल पार्टियों को दरगाह कमेटी के जानिब से जुबैर अहमद खाँन, सज्जादा नशीन के कर-कमलों से नकद धनराषि दिये जायेंगे। फिर गुस्ल व कुल शरीफ होगा, सभी को सिन्नी (प्रसाद) बांटा जायेगा, उर्स मुकम्मल होगा।

गोमती नदी का पीपा वाला पुल टूटा,15 से अधिक गांव के लोगों को लगाना पड़ रहा 16 किमी का चक्कर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ गोमती नदी का जल स्तर बढ़ने और जलकुंभी के दबाव से गऊघाट-मेहंदी घाट स्थित पीपा पुल टूट गया। पानी के तेज बहाव से पुल नदी के बीच में पहुंच गया है। नाव अभी नहीं चली है। इससे 15 से अधिक गांवों के लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। स्थानीय लोगों ने बताया कि दवाई और अन्य जरूरी काम के लिए लोग अन्य रास्तों से बाजार और अन्य जगहों पर जा रहे हैं। एक-दो दिन में जब नाव चलेगी तो थोड़ी राहत मिलेगी। बच्चे स्कूल जा पाएंगे। लोगों ने कहा कि नाव चलने के बाद भी समस्या पूरी तरह से दूर नहीं होती है। नाव के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता हैं। पुल की मरम्मत होने के बाद ही समस्या का समाधान होगा। घाट पर बैठे दिनेश ने बताया कि ने बताया कि पीपा पुल फैजुल्लागंज, घैला, दाउदनगर, इममबाग, डुगरिया, अल्लुनगर, गाजीपुर समेत 15 से अधिक गांव को जोड़ता है। 1 लाख से ज्यादा की आबादी है जो इसी पुल के सहारे है। पुल टूट जाने के बाद सब लोग परेशान हैं। पुल टूटने के बाद यहां पर नाव का इंतजार है। नाव में भी बैठने के लिए एक आदमी को 10 रुपए एक चक्कर का देना पड़ता है। घाट के पास रहने वाले नरेश ने कहा कि हर साल पुल टूट जाता है। हम लोगों को परेशानी होती है। जलकुंभी की वजह से यह पुल टूटा है। जलकुंभी की सही से सफाई नहीं होती है। सफाई करने वाले बस फोटो खींचकर अधिकारी को भेज देते हैं। पूरे दिन बैठे रहते हैं। बड़ी-बड़ी मशीन आई हैं। सब खड़ी हैं, जो जलकुंभी 10 दिन में साफ हो जाना चाहिए उसके लिए महीनों लग जाते हैं। जलकुंभी ने पूरी नदी को जकड़ रखा है और पुल टूटने का भी यही कारण है। नरेश ने बताया कि पीपा पुल टूटने के बाद सबसे ज्यादा स्कूल के बच्चे प्रभावित होते हैं। हम लोगों को 16 किलोमीटर घूम के जाना पड़ेगा। हम लोग तो घूम कर चले जाएंगे। बच्चे नहीं जा पाएंगे। खतरा नाव में भी रहता है मगर यह है कि समय बच जाता है। पढ़ाई के लिए इस पार से यूनिटी कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज में 500 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। पीपा पुल टूटने से अधिकतर बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। पुल टूटने के बाद मायूस बैठे सुधीर ने बताया कि 10 किलोमीटर घूम कर खेत में जाना पड़ेगा। कई किसानों की खेती नदी के उस पार है। अब पीपा पुल टूट जाने के कारण वो उस पार नहीं जा पा रहे हैं। जिससे उनके खेत में फसलों का नुकसान हो रहा है। बारिश के बाद धान की खेत में पानी भर जाता है। पानी उतारने के लिए हमें हर रोज खेत जाना पड़ता है।

बेटियां घर की लक्ष्मी होती है: देवी महेश्वरी श्रीजी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विश्व मंगल परिवार सेवा संस्थान एवं सार्वजनिक शिक्षोनयन संस्थान के तत्वावधान में डॉ० राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय अल्लीपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठम दिवस में पूज्य देवी महेश्वरी श्रीजी ने गोवर्धन पूजा के पश्चात श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए कालिया नाग का मान मर्दन, चीर हरण, रास लीला, मथुरा गमन, कंस वध, उद्धव प्रसंग आदि का वर्णन करते हुए रुक्मणि मंगल की कथा श्रवण कराई जिसका सजीव झांकियों के माध्यम से भी दर्शाया गया जिसे देख सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। रुक्मणि की कथा सुनाते हुए देवी जी ने बताया बेटियां घर की लक्ष्मी होती है उन्हें गर्भ में मार कर घोर अपराध के भागी न बने जब व्यक्ति के बहुत पुण्य उदय होते है तब जाके कहीं बेटी का जन्म होता है और कन्या दान का शुभ अवसर प्राप्त होता है इसलिए बेटियों को सम्मान प्यार दुलार देते हुए उन्हें धरती पर आने दो आज बेटियां भी वह सब कर सकती है जो बेटे कर सकते है, बेटे हिस्सा मांगते है और बेटियां मां बाप का प्यार।

कथा श्रवण हेतु मुख्य रूप से ओम प्रकाश शुक्ला अज्ञात माया प्रकाश पाठक, करतार सिंह, दिनेश कुमार गर्ग, पीयूष त्रिपाठी, श्याम मनोहर देवेंद्र पाल सिंह कृष्ण कुमार हरिशंकर दीक्षित, शशि दुबे, विंधेश्वरी बिंदेश्वरी पांडे आदि उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में करवाया गया विभिन्न योजनाओं हेतु आवेदन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में 59 शिकायतें प्राप्त हुई जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशनए निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन का पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाये गए। पात्रों का राशन कार्ड हेतु पंजीकरण कराया गया। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थाई समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। जन सुनवाई के दौरान सगीर खाँ नाम के बुजुर्ग का वृद्धावस्था पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। राशन कार्ड के लिए आये एक व्यक्ति संदीप नाम के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि व्यक्ति की पात्रता की जाँच कर नियमानुसार राशन कार्ड बनवाया जाये। एक महिला का आधार कार्ड में पता संशोधन हेतु आवेदन मौके पर ही करवाया गया। रामानंद नाम के एक युवक का जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में आवेदन कराया तथा कहा कि वह इस ब्याज मुक्त ऋण से कोई उद्यम स्थापित करे। योजना के अंतर्गत 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण प्राप्त किया जा सकता है। कम से कम 8वीं पास 21.40 साल के युवा योजना हेतु पात्र हैं। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अरुणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु खाद्य विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सहायक आयुक्त खाद्य कुमार गुंजन ने बताया है कि आगामी पर्व रक्षाबंधन के दृष्टिगत आम जनमानस को गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ यथा-बूंदी के लड्डू, खोया, दूध एवं दुग्ध उत्पाद से निर्मित मिठाईयां, समस्त प्रकार की मिठाईयां एवं अन्य, खाद्य पदार्थों को उपलब्ध कराये जाने के लिए मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुभाष तिवारी के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए बघौली से पेड़ा व लौज का नमूना तथा कछौना बाजार से पेड़ा, कालाजाम, छैना की मिठाई, रिफाइन्ड सोयाबीन ऑयल बिलग्राम चुंगी हरदोई शहर स्थित राठौर स्वीट्स से बूंदी का लड्डू राजेश स्वीट्स से छैना की मिठाईए महादेव स्वीट्स से दही बडा व मूंग दाल का हलवा एवं साण्डी चुंगी स्थित राम मिष्ठान भण्डार से बर्फी, शुभम स्वीट्स से सोहन पापडी का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजा जा रहा। यह अभियान लगातार चलता रहेगा। आम जनमानस से अनुरोध है कि वह ज्यादा रंगयुक्त मिठाईयों को न खरीद तथा खुले में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन न करे। दुकानदारों से अपील की जाती है कि वह अपने दुकान पर ताजी मिठाईयाँ ही बेचें तथा खाद्य पदार्थों को ढक कर रखे।

■ खाद्य एवं पेय पदार्थ का नमूना संग्रहित कर भेजा गया प्रयोगशाला

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई अभियोजन कार्यों की बैठक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुकदमों की पैरवी में तेजी लायी जाये। अधिक पुराने मामलों में गंभीरता से पैरवी की जाये। पुराने वादों की सूची तैयार की जाये। आख्या संकलन में देरी न की जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंहए अधिवक्तागण व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका के अधिकारियो के साथ की बैठक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा ने नगर पालिका के अधिकारियों के साथ नगर के विकास के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर में वेंडिंग जोन के लिए स्थान का चिन्हीकरण जल्द किया जाये। शहीद उद्यान में सुविधाओं के उच्चीकरण के लिए तेजी से कार्य किया जाये। स्वीमिंग पूल का विकास किया जाये। नगर में साफसफाई व जल निकासी की सुविधा को सुचारु रखा जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डाकघर बेला का 20 दिन से राउटर खराब, रजिस्ट्रियां करने को दर बदर भटक रहे आवेदक व क्षेत्रीयजन

औरैया (कन्नौज)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जनपद के कस्बा बेला स्थित डाकघर का 20 दिन से राउटर खराब होने से रजिस्ट्री कार्य हो गया है, रजिस्ट्री करने के लिए क्षेत्रीय जनता, आवेदकों व प्रशासनिक कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कस्बा व क्षेत्र के लोगों ने जानकारी कि बेला स्थित डाकघर में करीब 20 दिन से रजिस्ट्री नहीं हो रही है, जिसके कारण युवा वर्ग आवेदन पत्र, क्षेत्रीय जनता रजिस्ट्री नहीं कर पा रही है, इस संबंध में पोस्ट मास्टर सुनील कुमार से बातचीत की गई तो उन्होंने राउटर खराब होने की बात स्वीकार कीए इस संबंध में डाक अधीक्षक इटावा परिक्षेत्र चंद्रशेखर से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि डाकघर बेला में लगा राउटर खराब हो गया है, उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने विभागीय उच्चाधिकारियों को सूचना दे दी है, उन्होंने कहा जैसे ही नया राउटर उपलब्ध हो जाएगा संबंधित सेवाएं सुचार रूप से शुरू कर दी जाएगी, उन्होंने कहा कि जब तक नया राउटर उपलब्ध नहीं हो जाएगा तब तक क्षेत्रीय जनता को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, इसके लिए उन्होंने क्षेत्रीय जनता से सब्र के सहयोग की अपेक्षा की।

■ बोले डाक अधीक्षक इटावा चंद्रशेखर: राउटर खराब होने की उच्चाधिकारियों को दे दी गई है सूचना, नया राउटर उपलब्ध होते ही जल्द सेवाएं सुचार रूप से होंगी शुरू

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने लिए मिठाइयों के नमूने

मिठाई की दुकानों से नमूना लेते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के निर्देशानुसार एवं अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) आशीष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जनपद में रक्षाबंधन पर्व पर मिठाईयों सहित अन्य मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण, वितरण व बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु आज ०5 अगस्त 2025 को जनपद के सदर तहसील क्षेत्र में बेहरिन, तिर्वा, कन्नौज स्थित नकली मिठाई निर्माण इकाई पर छापामार करवाई की, जिसमें ईकाई में निर्मित मिल्क केक के 02, बर्फी का 01, डोडा बर्फी का 01 तथा निर्माण हेतु प्रयोग में लाये जा रहे खाद्य पदार्थ रवा का 01, सोयाबीन रिफाइंड तेल का 01 एवं चीनी का 01, कुल 07 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

इस मौके पर नमूना संग्रह पश्चात एक खुले टीन सहित 07 टीन सोयाबीन रिफाइंड ऑयल, कुल वजन 01 कुंतल 08 किलो, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य रुपए 15120/- मात्र हैं, तथा एक खुली बोरी सहित 11 बोरी रवाए कुल वजन 6 कुंतल 60 किलो जिसका अनुमानित बाजार मूल्य रुपए 18090/- मात्र है, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 20 किलो ग्राम दूषित मिठाई, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग रुपए 4000/- खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा स्वयं विनिष्ट कराई गई। इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तिर्वा के उमर्दा क्षेत्र में श्री बालाजी स्वीट्स से छेना मिठाई का 01 नमूना, विनय सिंह चौहान की मिठाई की दुकान से बर्फी का 01 नमूना, राजेंद्र कुमार की मिठाई की दुकान से मावे का 01 नमूना साथ ही तिर्वा में तिर्वा तिराहे पर पनीर का 01 नमूना संग्रहित किया गया। आज संग्रहित किए गए उपरोक्त सभी 11 नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत तद्नुसार अग्रिम कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, संतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस अभियान के दौरान कार्रवाई से संबंधित सभी बाजारों में खाद्य कारोबार कर्ताओं सहित आम जन को रंगीन, मिलावटी तथा दूषित खाद पदार्थ में मिलावट के संबंध में स्थलीय परीक्षण की विधियों की जानकारी देते हुए, खाद्य पदार्थों के उपभोग के संबंध में जागरूक किया गया। बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश के अनुसार उमेश प्रतापए सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2, के नेतृत्व जनपद में आमजन को गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार राठौर, सर्वेश कुमार, अरविंद कुमार साहू, मंजरी मिश्रा एवं विमलेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

सीएचसी कोथावां में हुआ जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सीएमओ डॉ० अरविंद सचान एवं नोडल अधिकारी डॉ० पंकज मिश्रा द्वारा जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा वृहद शिविर का आयोजन सी एच सी कोथावां हरदोई मे किया गया जिसमें अध्यक्ष डॉ० विपुल वर्मा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के समस्त उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ० चंद्रकांत ने बताया मानसिक बीमारी किस तरह समाज को प्रभावित करती है, मानसिक टीम से अंशू सूरी ने बताया कि किस तरह मानसिक रोग जीवन पर प्रभाव डालता है साथ ही टीम के विकास गुप्ता निगरानी एवं मूल्यांकन अधिकारी ने टेली मानस के टोल फ्री नंबर और ऐप के बारे में बताया कि 14416 नंबर 24/7 खुला है इस नंबर पर किसी भी मानसिक रोग या काउंसिलिंग के बारे में बात की जा सकती है। इस मौके पर संजय वर्मा, शुभेंद्र प्रताप सिंह एवं वरुण कुमार उपस्थित रहे। शिविर में 267 मरीज़ देखे गए, जिसमें 129 मरीज़ मानसिक रोग से ग्रस्त पाये गये।

बाढ़ संभावित गांवों का एसडीएम ने निरीक्षण किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नवागत एसडीएम अंकित तिवारी ने मंगलवार को बाढ़ के संभावित गांवों का निरीक्षण किया और राजस्व विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम अंकित तिवारी मंगलवार को दोपहर ०3:00 बजे बाढ़ संभावित क्षेत्र उमरिया कैथानी, हंसुआ, उमरिया धानी, कहारकोला एवं पिपरिया घाट आदि ग्रामों में पहुंचे। उन्होंने नदी के किनारे पहुंचकर संभावित बाढ़ के स्थान का मौका मुआयना किया और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। इस मौके पर एसडीएम ने राजस्व विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बाढ़ के संभावित इलाकों में सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। किसी भी ग्रामीण का नुकसान न हो और जनहानि न हो पाए। इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग करते रहें और आवश्यक दवाओं का पर्याप्त इंतजाम रखें। उन्होंने कहा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के किसी भी ग्रामीण को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा अगर बाढ़ का खतरा लगता है तो पहले से ही उस स्थान को छोड़ दें ताकि कोई जन और पशु हानि न हो पाए। इस मौके पर तहसीलदार संध्या यादव, नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा सहित राजस्व निरीक्षक और लेखपाल भी मौजूद रहे।

नवीन गल्ला मंडी स्थित इफ्को खाद केंद्र पर एसडीएम ने औचक निरीक्षण किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नवीन गल्ला मंडी स्थित इसको खाद केंद्र पर किसानों को हो रही की लत को लेकर एसडीएम अंकित तिवारी ने औचक निरीक्षण किया और किसानों से रूबरू भी होकर उनकी समस्याएं सुनी। एसडीएम अंकित तिवारी को खाद की किल्लत के बारे में काफी सूचनाएं मिल रही थी। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर एसडीएम अंकित तिवारी नवीन गल्ला मंडी स्थित इफ्को खाद केंद्र पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने स्टॉक रूमए वितरण रजिस्टरए खाद के साथ मिलने वाली जिंक और जैविक दवाओं का निरीक्षण किया। सब कुछ ठीक.ठाक मिलने पर उन्होंने किसानों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को समझा। उन्होंने केंद्र प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए आधार कार्ड और इंतखाब के आधार पर समस्त किसानों को यूरिया का वितरण किया जाए। केंद्र पर किसी तरह की मनमानी न हो पाए इसके लिए एहतियात बरतें । सभी किसानों को समान रूप से खाद का वितरण होना चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार संध्या यादवए नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा भी मौजूद रहे।

भाजपा नेता के समाजसेवी पिता के निधन पर आयोजित शोक सभा में पहुंचे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आदर्श ठाकुर व क्षेत्रीयजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

औरैया (कन्नौज)। बिधूना तहसील क्षेत्र के ग्राम सिरयांवा में प्रख्यात समाजसेवी राकेश कुमार श्रीवास्तव के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि व क्षेत्रीय जनता ने दिवंगत समाजसेवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्राम सिरयांवा के युवा समाजसेवी शीलू श्रीवास्तव विधानसभा संयोजक भाजपा सोशल मीडिया बिधूना के असमय निधन होने पर शोक सभा का आयोजन किया गयाए इस मौके पर जनप्रतिनिधियों व क्षेत्रीय जनता ने दिवंगत समाजसेवी राकेश कुमार श्रीवास्तव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत समाजसेवी के बेटे शीलू श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव व भाई अशोक श्रीवास्तव उप निरीक्षक वन विभाग व सुशील श्रीवास्तव तथा अन्य परिजनों को धैर्य बँधाया। इस मौके पर बिधूना ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आदर्श ठाकुर भी अपने साथियों सहित शोक सभा में सम्मिलित हुए और उन्होंने दिवंगत समाजसेवी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पीड़ित परिवार को सुख.दुख में साथ निभाने का आश्वासन दिया।

■ दी भावभीनी श्रद्धांजलि, बोले ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आदर्श ठाकुर: पीड़ित परिवार को सुख-दुख में साथ निभाएंगे

गिगियानी मोहल्ले में दीवार गिरने से 50 बकरियों की मलबे में दबकर मौत, हटाया जा रहा है मलवा

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के गिगियानी मोहल्ले में एक कच्ची दीवार गिर जाने की वजह से मलबे में दबकर 50 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई, जिन्हें मलवे से निकाला जा रहा है। लगभग 35 बकरियों के शव निकाले जा चुके हैं। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला की गिगियानी निवासी खालिद कुरैशी उर्फ नन्हे मियां पिछले काफी दिनों से बकरियों का कारोबार करते हैं। रात्रि में लगभग 55 बकरियां और बच्चे बंधे हुए थे। मंगलवार को सुबह ०6:30 बजे अचानक कच्ची दीवार भर भरा कर बकरियों के ऊपर गिर पड़ी। दीवार के मलवे में सभी बकरियां और बच्चे दब गए। जिससे खालिद कुरैशी का लगभग ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना पाकर क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया है। समाचार प्रकाशन तक 35 बकरियों के शव निकाले जा चुके थे।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली कछौना के अंतर्गत मोहल्ला सदर बाजार निवासी मिन्ने मियां (65) पुत्र स्व० रोशन करीब ०3:00 बजे अपने खेत जा रहे थे, तभी बालामऊ कानपुर रेल मार्ग पर बाबा लंगड़े दास की बगिया के सामने रेलवे लाइन पार करते समय कानपुर जा रही सवारी गाड़ी से टकरा गए, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने दुर्घटना का कारण मृतक को कम सुनाई देना बताया है। प्रभारी निरीक्षक प्रेम सागर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतक की फाइल फोटो

विद्यालय समायोजन से छात्रों व अभिभावकों में आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विकास खंड कछौना की ग्राम सभा मतुआ के मजरा बनियन खेड़ा में प्राथमिक विद्यालय की छात्र संख्या कम होने के कारण स्कूल पेयरिंग के तरत प्राथमिक विद्यालय तेउरी में छात्राओं को समायोजित किया गया है। इसमें विद्यालय की प्रबंध समिति, ग्राम प्रधान असद शाहिद व जनसरोकार मंच के परमेश्वर दयाल व अखिलेश कुमार ने विद्यालय को पेयरिंग में न शामिल होने के लिए प्रमुखता से सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि विद्यालय की प्रबंध समिति के सहमत के बिना विद्यालय संचालन बंद ना किया जाए।

उक्त विद्यालय की नींव कई वर्ष पूर्व गांव के ही परमेश्वर दयाल अखिलेश कुमार ने मिलकर डाली थी। ग्रामीणों के सहयोग से इनके द्वारा प्राइवेट विद्यालय खोलकर गांव के ही शिक्षित पुरुष महिला द्वारा कक्षाओं का संचालन शुरू कराया गया था। गांव के कुछ लोगों ने ग्राम सभा की आबादी भूमि पर कब्जा कर रखा था, जिसे तत्कालीन प्रधान मोहम्मद शाहिद उर्फमुन्ना के सहयोग से खाली कराकर भूमि विद्यालय के नाम आवंटित कर दी गई थी।

पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल के अथक प्रयास से 25 वर्ष पूर्व परिषदीय विद्यालय स्वीकृत हो गया था, जिसकी ग्रामीणों ने सराहना भी की, परंतु सरकार की नई नीति के तहत विद्यालय का संचालन बंद होने की आशंका से अभिभावकों व ग्रामीणों को झटका लगा है। जन सरोकार मंच के संयोजक परमेश्वर दयाल ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय केवल भवन नहीं है, बल्कि समाज के भविष्य की नींव है। ग्रामीण ग्राम प्रधान असद शाहिद ने प्रमुखता से इस मुद्दे को सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल के समक्ष उठाया। उन्होंने तत्काल इसे शासन को अवगत कराया और कहा कि बिना प्रबंध समिति की सहमति से विद्यालय का संचालन बंद न किया जाये। खण्ड शिक्षा अधिकारी के०के० त्रिपाठी ने अभिभावकों से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा विद्यालय न जाने वाले छात्राओं का नामांकन कराएं, जिससे विद्यालय सुचारु रूप से चलता रहे।

शिव आराधना महोत्सव में शिव चरित्र की कथा सुन श्रोता भाव विभोर

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे के मोहल्ला दिलेरगंज स्थित मां कात्यायनी शक्तिपीठ में चल रहे शिव आराधना महोत्सव के चौथे दिवस आचार्य नरेश चंद शास्त्री ने श्रीशिव चरित्र के वर्णन में शरीर त्याग कर पार्वती के रूप में सती के पुनर्जन्म होने का मार्मिक रहस्य श्रद्धालुओं को सुनाया।देवर्षि नारद ने पार्वती का भविष्य भाषा तथा नारद के अनुसार पार्वती ने शंकर को पति के रूप में पाने के लिए अचरज तप किया। **अस तपु काहुँ न कीन्ह भवानी। भए अनेक धीर मुनि ग्यानी।।** माँ पार्वती का प्रसंग सुनकर उपस्थित सभी भक्त भाव विभोर हुए।इस अवसर पर रामकुमार द्विवेदी सुभाष रस्तोगी अरुण श्रीवास्तव श्वेता नैंसी दीक्षा प्रभारानी श्रीवास्तव मनीष त्रिपाठी एवं पीठाधीश्वर स्वामी आत्मानंद गिरि सहित सैकड़ो भक्त उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रदीप सोनी पुत्र रामबाबू सोनी निवासी मोहल्ला सिद्धार्थनगर महतवाना कस्बा व तहसील संडीला ज़िला हरदोई का हूं मेरे पुत्र का सही नाम आदित्य सोनी व जन्मतिथि 02.12.2013 है जो क़ी पुत्र के जन्मप्रमाण पत्र व स्कूल के अभिलेखों मे दर्ज है आधार कार्ड बनाते समय त्रुटिवश आदित्य सोनी के स्थान पर नाम यश सोनी व जन्मतिथि 02.12.2013 के स्थान पर आधार कार्ड मे 02.12.2014 अंकित हो गयी है जो कि गलत व सही किये जाने योग्य है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम आदित्य सोनी व जन्मतिथि 02.12.2013 आधार कार्ड मे सही करवाना चाहता हूं।

प्रदीप सोनी पुत्र रामबाबू सोनी निवासी मोहल्ला सिद्धार्थनगर महतवाना कस्बा व तहसील संडीला ज़िला हरदोई

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति शृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति शृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दरअसल, डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने जमानत देने से इनकार करते हुए सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपलोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं।

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रु. की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकड़ा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडिया वायरल करने की धमकी दी गई। खैर, यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है। दरअसल, डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने जमानत देने से इनकार करते हुए सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपलोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते-होते बचे हैं। डिजिटल तकनीक से अपराध करने वालों के हौसलों को देखिये कि कुछ घंटों नहीं अपितु कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रख कर लाखों रुपए अपने खातों में डलवा रहे हैं। यह सब तो तब है जब कि सरकार मोबाइल टोन के समय ही ओपनिंग मैसेज के माध्यम से आगाह कर रही है पर इस तरह की घटनाओं में साल दर साल मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। 1970 से 1990 के दो दशकों में केविन मिटनिक और उनके साथियों ने मोटोरोला, नोकिया आदि के नेटवर्क में सेंध मारना शुरु कर दिया था। बॉब थामस ने क्रीपर वायरस के माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद तो समय-समय पर वायरसों द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को हैंक या प्रभावित करने का सिलसिला ही चल निकला। कम्प्यूटर आधारित अपराधों का केवल अमेरिका का 2015 का आंकड़ा ही चौकाने वाला है जिसमें एफबीआई के अनुसार 2 लाख 88 हजार से भी अधिक शिकायतों के साथ केवल एक वर्ष में 445 अरब डॉलर के नुकसान का दावा किया गया। साइबर ठगी के मामलों में रूस पहले पायदान पर तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर है। चीन, अमेरिका, नाइजीरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए-नए तरीकों से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लैक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। लाख प्रयासों के बावजूद 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलों में 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामले हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामले ऐसे भी हैं जिनमें शिकायत दर्ज कराए ही नहीं कराई गई। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह हो रहा है। हालांकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक-दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। हैंकिंग, रेनसमवेयर, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैक मेलिंग अपराधियों के प्रमुख हथियार हैं। व्यक्ति को इस तरह से भयग्रस्त कर देते हैं कि समझदार और पढ़े-लिखे होने के बावजूद पैसा गंवा बैठते हैं। ठगी, जबरन वसूली, पोर्नोग्राफी, बाल पोर्नोग्राफी, धनशोधन, औद्योगिक जानकारी चुराने, ड्रग, ब्लेक मेलिंग, डराने-धमकाने सहित विभिन्न तरह के अपराध को अंजाम देने में इन्होंने विशेषज्ञता हासिल कर ली है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े-लिखे और होशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल तकनीक ने बहुत कुछ बदल कर रख दिया है। तकनीक ने समझ और संवाद को आसान बनाया है। जानकारी का पिटारा खोला है। पर इसके साइड इफ़ेक्ट के रुप में अपराधियों का जाल भी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में साइबर कानून और साइबर थाने बना देने भर से समस्या का समाधान होने वाला नहीं। देखा जाए तो डिजिटल ठगी करने वाले तकनीक और सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं। ऐसे में डिजिटल अपराध और अपराधियों से लोगों को बचाने की फूलप्रुफ तकनीक व व्यवस्था बनानी ही होगी।

स्त्रियों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका सर्वोपरी

संजीव ठाकुर

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को महिमा-मंडित करते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है।

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि श्मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को महिमा-मंडित करते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं। अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

ग्रेटर बांग्लादेश : भारत के लिए बढ़ता वैचारिक खतरा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'टर्की यूथ फ़ेडरेशन' से विचारधारात्मक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता दोनों मिल रही है। बांग्लादेश के मदरसे और विश्वविद्यालय इसके प्रभाव में हैं। टर्की यूथ फ़ेडरेशन ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों को सशक्त किया है, जो भारत-विरोधी और इस्लामिक स्टेट की अवधारणा के हामी हैं। मार्च 2025 में हिज्ब-उत-तहरीर ने बांग्लादेश में एक 'खिलाफत मार्च' निकाला था, जिसमें खुलेआम कहा गया था कि दुनिया में मुस्लिमों की राजनीतिक सीमाएं नहीं होनी चाहिए।

जब एक राष्ट्र की सीमाएं उसके पड़ोसी मुल्क की कल्पना में मिटाई जाने लगें और यह कल्पना सिर्फ नक्शों तक सीमित न रहकर उसे व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए जब शैक्षणिक परिसरों, राजनीतिक मंचों और धार्मिक संस्थानों का उपयोग किया जाने लगे, तब यह केवल एक कल्पना तक सीमित रहनेवाला विषय नहीं रहता, बल्कि एक देश की अपनी पड़ोसी देश के प्रति वैचारिक युद्ध की शुरुआत होती है। इस संदर्भ में वर्तमान भारत अनेक मोर्चों पर वैचारिक और आर्थिक युद्ध का सामना करता हुआ दिखता है, जिसमें से एक उभरता हुआ वैचारिक मोर्चा जो सामने आया है, वह है सल्तनत-ए-बांग्ला। यह कोई साधारण संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुआयामी परियोजना है जो ग्रेटर बांग्लादेश की परिकल्पना को आगे बढ़ा रही है और सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसके पीछे तुर्किये, कतर और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे वैश्विक इस्लामी नेटवर्क की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका सामने आई है। अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं बीते हैं, वह तारीख 14 अप्रैल 2025 की है, जब ढाका विश्वविद्यालय में एक पोस्टर प्रदर्शित किया गया। इस पोस्टर में एक काल्पनिक ''ग्रेटर बांग्लादेश'' का नक्शा दर्शाया गया था, जिसमें कि भारत के असम, त्रिपुरा, बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा म्यांमार का अराकान क्षेत्र इसमें शामिल किया गया था। वस्तुतः यह केवल एक पोस्टर नहीं था, यह एक ऐसा वैचारिक घोषणापत्र था जो दक्षिण एशिया में इस्लामी राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान की कल्पना को जमीनी आधार देने की कोशिश कर रहा है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी अब ओर गहराई से सामने आ सकी है। दरअसल, भारतीय संसद में विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने विस्तार से बताया है कि कैसे यह 'ग्रेटर बांग्लादेश' का विचार एक सोची-समझी 'आइडियोलॉजिकल इनसर्जेंसी' का हिस्सा है। सल्तनत-ए-बांग्ला को तुर्की के गैर-सरकारी संगठन टर्की यूथ फ़ेडरेशन (टीवायएफ) से मिलने वाले सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें कि ये संगठन ग्रामीण विकास और युवाओं के सशक्तिकरण जैसे उदार कार्यों में लगा दिखाई देता है, लेकिन इसके कामकाज का वास्तविक उद्देश्य 'इस्लामी जिहाद' के एजेंडे को विस्तार देना है। यह टीवायएफ'मुस्लिम ब्रदरहुड' से वैचारिक रूप से जुड़ा है और इसकी गतिविधियों में शिक्षा के नाम पर धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देना प्रमुख रणनीति है। अब आप मुस्लिम ब्रदरहुड के बारे में भी समझ लीजिए; 1928 में मिस्र से इसकी शुरूआत है। संगठन केवल धार्मिक आंदोलन नहीं है, यह राजनीतिक इस्लाम की एक वैश्विक विचारधारा है जो किसी भी लोकतांत्रिक देश में जब पहुंचती है तो वहां के लोकतंत्र के ढांचे में रहकर इस्लामी सोच का पोषण करती है। एक ऐसी स्थिति पैदा करने का प्रयास करती है कि लोकतांत्रिक देश एक समय के बाद पूरी तरह से इस्लाम की सोच में बदल जाए और वहां शरीया कानून लागू हो जाए। वस्तुतः इसी सोच को ये 'टर्की यूथ फ़ेडरेशन' के साथ मिलकर भारत और बांग्लादेश में इस्लामिक साम्राज्यवाद के नाम पर आज विस्तारित करता हुआ दिखता है। बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'टर्की यूथ फ़ेडरेशन' से विचारधारात्मक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता दोनों मिल रही है। बांग्लादेश के मदरसे और विश्वविद्यालय इसके प्रभाव में हैं। टर्की यूथ फ़ेडरेशन ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों को सशक्त किया है, जो भारत-विरोधी और इस्लामिक स्टेट की अवधारणा के हामी हैं। मार्च 2025 में हिज्ब-उत-तहरीर ने बांग्लादेश में एक 'खिलाफत मार्च' निकाला था, जिसमें खुलेआम कहा गया था कि दुनिया में मुस्लिमों की राजनीतिक सीमाएं नहीं होनी चाहिए। सल्तनत-ए-बांग्ला इसी 'सीमाहीन इस्लामी राष्ट्र' की अवधारणा को बंगाल की जमीन पर उतारने की कोशिश है। जिसमें कि 'टीवायएफ' समन्वय की अहम भूमिका निभाता दिखता है। ये संगठन 'ग्रेटर बांग्लादेश' को केवल एक भौगोलिक विस्तार के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक-धार्मिक राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इसके एजेंडे में केवल क्षेत्रीय विस्तार नहीं, बल्कि भारत के अंदर धार्मिक ध्रुवीकरण और सामाजिक विखंडन पैदा करना भी शामिल है। इससे अधिक गंभीर बात यह है कि आज यह 'टीवाईएफ' भारत के भी कुछ कट्टरपंथी समूहों से संवाद करता हुआ नजर आता है। युरोपीय संसद के दस्तावेज़ों में यह उल्लेख है कि टर्की यूथ फ़ेडरेशन (टीवायएफ) सहित कई टर्की के एनजीओस जकात (दान) और छात्रवृत्ति की आड़ में भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी विचारों की ओर प्रेरित करते हैं। छात्रों को पाकिस्तान या अन्य नेटवर्क से जोड़ा जाता है, जहां उन्हें कट्टरतर विचारधारा से प्रभावित किया जाता है। तुर्किये भारत में आईएसआईएस सदस्यों की गतिविधियों में धन लगा रहा है, जो भारतीय मुसलमानों को कट्टरपंथी बनाने और 'तकनीकी जानकारी के हस्तांतरण' के माध्यम से बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक जिन संस्थाओं का प्रमुखता से नाम सामने आया है, उसमें तुर्की सहयोग और समन्वय एजेंसी (टीआईकेए), यूनुस एमरे संस्थान (यूईआई), अंतरराष्ट्रीय मानवीय राहत फाउंडेशन (आईएचएच), तुर्की-पाकिस्तान सांस्कृतिक संघ और तुर्की डायस्पोरा युवा अकादमी (वाईटीबी) के शासी बोर्ड जैसे शैक्षणिक संस्थान और गैर-सरकारी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को सुगम बनाने के लिए भारत के युवाओं को ही अपना हथियार बना रहे है। तुर्की के गैर-सरकारी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठनों को जकात दान के रूप में धन मुहैया करा रहे हैं। रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिलाल एर्दोगन के स्वामित्व वाले तुर्की यूथ फ़ाउंडेशन (टीयूजीवीए) के पाकिस्तान स्थित जमात-ए-इस्लामी (जेआई) और उसकी युवा शाखा या स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन (एसआईओ) जैसी पार्टियों और संस्थाओं से सीधे संबंध हैं। इसके अलावा, इस्लामी शैली की 'इरास्मस' योजना के तहत, भारतीय मुस्लिम छात्रों को तुर्किये लाया जा रहा है और पाकिस्तानी संगठनों से संपर्क कराया जा रहा है। ताकि वे 'ग्रेटर बांग्लादेश' और गजबा-ए-हिंद की सोच के लिए स्लीपर सेल बनकर भारत में रहते हुए काम करें। इन सभी संगठनों का उद्देश्य भारत के मुस्लिम समुदायों में यह भावना पैदा करना है कि उनकी पहचान भारतीय नहीं, इस्लामी है। यह देश की सामाजिक एकता के लिए दीर्घकालिक खतरा है। इस पूरे प्रकरण में सबसे नकारात्मक पक्ष यह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस भी इनके साथ कहीं न कहीं मिले हुए दिखाई देते हैं, पिछले एक साल से यहां जो गैर मुसलमानों (हिंदू एवं अन्य) के विरोध में हिंसा हो रही है, उससे भी पता चल रहा है कि वे कट्टरपंथी तत्वों के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनकी बेटी दीना अफरोज यूनुस का नाम 'सल्तनत-ए-बांग्ला' से आर्थिक संबंधों के सिलसिले में सामने आया है। कहना होगा कि भारत के लिए यह एक ऐसे वैचारिक उभार का दौर है, जहां दुश्मन पारंपरिक हथियार नहीं, सोशल मीडिया, शिक्षा, संस्कृति और इतिहास को हथियार बना रहा है। यदि भारत इस चुनौती का सामना केवल आंतरिक नीति से करने की कोशिश करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नहीं उठाता, तो यह संदेश जाएगा कि भारत अपने ही पड़ोस से उठती विचारधारात्मक चुनौती से अनभिज्ञ या असहाय है। इसलिए भारत को बांग्लादेश से इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। यदि जरूरत पड़े, तो इसे संयुक्त राष्ट्र, एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर भी उठाना चाहिए। इसके साथ ही आज यह भी जरूरी हो गया है कि सल्तनत-ए-बांग्ला और ग्रेटर बांग्लादेश जैसी अवधारणाएं भारत को उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक एकता पर पुनः विचार करने को विवश कर रही हैं। यह लड़ाई महज एक राष्ट्र के खिलाफ नहीं, एक लोकतांत्रिक भारतीय विचार दर्शन के विरोध में है। एक ऐसी इस्लामिक जिहादी लड़ाई जो विविधता को अस्वीकार करती है और धर्म (मजहब) के नाम पर एकरूपता थोपती है। इस समूह का एजेंडा न केवल भारत की भौगोलिक सीमाओं पर सवाल उठाना है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक विविधता को चुनौती देना भी है। इसलिए भारत को चाहिए कि ''ग्रेटर बांग्लादेश'' की सोच का सफाया वह हर संभव प्रयास कर पूरी तरह से अतिशीघ्र करे, अन्यथा कल को यह सोच भारत के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाएगी।

बाढ़ आपदा पीड़ितों के राहत कार्य मे लाएं तेजी : रामकेश निषाद

- आलाधिकारियों को बाढ व अतिवृष्टि को लेकर दिए स्पष्ट निर्देश
- तत्काल सर्वे कराकर आपदा पीड़ितों के खाते में धनराशि भेजने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद बांदा में हुई अतिवृष्टि तथा केन नदी ,यमुना नदी और चंद्रावल नदी की बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर तथा अतिवृष्टि को लेकर मकानों में नुकसान को लेकर राहत कार्य में तेजी लाए जाने को लेकर जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने जिलाधिकारी जे रीभा, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी पशुचिकित्सा अधिकारी समेत कई विभागों के आलाधिकारियों को बाढ आपदा कोष से तत्काल प्रभाव से बाढ पीड़ितों को लाभ दिलाए जाने को लेकर तत्काल प्रभाव से सर्वे कराकर आपदा राहत कोष से पीड़ितों के खाते में धन मुहैया कराने को लेकर निर्देशित किया है,तथा अतिवृष्टि से हुए मकान क्षतिग्रस्त हो जाने पर बाढ आपदा कोष से धनराशि उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत शासन को रिपोर्ट बनाकर भेजने को लेकर निर्देशित किया है। जलशक्तिराज्य मंत्री ने बाढ के बाद दलदल में तब्दील रास्ते में निकल रहे बाढ़ पीड़ितों हो रही परेशानी को लेकर सी यम ओ को क्लोरीन की गोलियां, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करने, मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए फागिंग कराए जाने तथा पशुचिकित्साधिकारी से बाढ व अतिवृष्टि के दौरान मवेशियों को हुए खुरपका व मुंहपका रोग से निदान दिलाए जाने को लेकर एक दर्जन से ज्यादा टीमें बनाकर स्वास्थ्य विभाग व पशुपालन विभाग धरातल पर उतरकर तत्परता पूर्वक कार्य करे। जलशक्तिराज्य मंत्री रामकेश निषाद ने बताया कि उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से जसपुरा ब्लॉक में शेष गांवों में भी विद्युत आपूर्ति बहाल कराए जाने को लेकर निर्देशित किया है। तथा जिलाधिकारी जे रीभा को जनपद बांदा में बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों की केन नदी, यमुना नदी,रंज नदी, चंद्रावल नदी,बागे नदी में डूबी हुई फसलों में हुई क्षति को लेकर राहत कार्य में तेजी लाने को लेकर निर्देशित किया है,मंत्री ने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार बाढ़ को लेकर सजग है,तथा मेरे द्वारा लगातार धरातल पर उतरकर बाढ़ पीड़ितों से जानकारी लेकर राशन मुहैया कराया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा बने रामकेश निषाद

बांदा। जनपद में केन और यमूना नदी के विकराल रूप में बाढ़ के तौर जहां तबाही मचा रखी है। ऐसे में बाढ़ पीड़ितों के लिए राज्यमंत्री रामकेश निषाद मसीहा बनकर उभरे हैं। भाजपा सरकार में मंत्री रामकेश निषाद बाढ़ प्रभावित जनपद के सभी इलाकें को स्वयं जाकर पहले दौरा करते हैं। इसके बाद वहां पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण वे स्वयं अपने हांथे से करते हैं। साथ ही आगे सरकार की ओर से दी जाने वाली मदद के लिए भी ग्रामीणों को आश्वास्त करते हैं। इसके अलावा मंत्री द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी बाढ़ राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हैं। इसके साथ ही बाढ़ उतरने के बाद फैलने वाली बामारियों से बचाव के लिए भी उन्होंने सीएमओ बांदा को सख्त निर्देश दे रखें हैं कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बर्दाश्त की जायेगी। उन्होंने सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिन स्थानों से बाढ़ का पानी उतर रहा है या उतर चुका है उन सभी स्थानों में टीमे गठित कर आवश्यक दवाये, क्लोरीन गोली, ब्लीचिंग आदि का छिड़काव कर इन सभी के जीपीएस फोटो उनके मोबाइल पर भेजे जायें। उनके इस निर्देश के साफ-साफ मायने है कि किसी भी हाल में राहत कार्यों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

पीएम मोदी के मन की बात में कालिंजर दुर्ग के बात के चौथे दिन टूटा मोती महक का डैश बोर्ड

- पुरातत्व विभाग ने साधी चुप्पी और न ही दे रहा है रखरखाव का ध्यान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। कालिंजर दुर्ग ऐतिहासिक धरोहर तो है ही लेकिन पौराणिक स्थल के रूप में भी जाना जाता है जिसमें कालिंजर दुर्ग बहुत से महल बने हुए हैं जिसमें मोती महल के सामने लगा डैशबोर्ड भी टूट गया। कालिंजर दुर्ग भारतीय पुरातत्व विभाग सर्वेक्षण के अधीन है जिसमें सुरक्षा के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है सभी स्मारकों की देखभाल एवं सुरक्षा का जिम्मा भारतीय पुरातत्व विभाग के द्वारा किया जाता है लेकिन इसके बावजूद भी ऐतिहासिक धरोहर जिसे देखने दूर-दूर से देशी एवं विदेशी सैलानी कालिंजर दुर्ग आते हैं जिसमें सभी स्मारकों के सामने डैशबोर्ड लगे हुए हैं जिसमें मोती महल के सामने वाला डैशबोर्ड भी टूट गया है पूर्व में रंग महल के सामने वाला भी डैशबोर्ड टूट चुका है वहीं बेन्कट बिहारी महल के सामने वाला डैशबोर्ड भी टूट चुका है भारतीय पुरातत्व विभाग की घोर लापरवाही एवं उदासीनता के चलते आए दिन डैशबोर्ड तोड़े जा रहे हैं पूर्व में कालिंजर दुर्ग में एक मूर्ति भी खंडित कर दी गई थी पुरातत्व विभाग के कर्मचारी आंख कान बंद कर ड्यूटी कर रहे हैं यदि यही हाल रहा तो धीरे-धीरे दुर्ग को भी क्षति पहुंच सकती है कालिंजर दुर्ग में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग से सत्येंद्र कुमार संरक्षण सहायक के पद पर तैनात हैं जिस पर उन्हें फोन लगाया गया तो फोन नहीं उठा । इधर ऐतिहासिक धरोहर के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात पर ऐतिहासिक दुर्ग कालिंजर का उल्लेख किया था वहीं पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर कालिंजर दुर्ग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात पर उन्होंने भी पोस्ट किया गया था इसके बाद भी कलिंजर दुर्ग पर भारतीय पुरातत्व विभाग के जिम्मेदारान कर्मचारी लापरवाही के ऊपर लापरवाही करते चले जा रहे हैं यदि यही हाल रहा तो कालिंजर दुर्ग का अस्तित्व भी खतरे पर पड़ सकता है।

पशुधन प्रसार अधिकारी हुए सेवानिवृत्त, संघ ने दी भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। पशुधन प्रसार अधिकारी संघ शाखा का चुनाव अवध पैलेस नैपालापुर में संपन्न हुआ जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए तथा पशुधन प्रसार अधिकारी विजय शुक्ल को रिटायर्मेंट के बाद भावभीनी विदाई दी गई। पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के नवनियुक्त पदाधिकारियों मे अध्यक्ष यदुनाथ भार्गव, मंत्री अरविंद कुमार वर्मा, सचिन कुमार,अनुज जायसवाल शोभित कुमार पाण्डेय, कोषाध्यक्ष आशुतोष तिवारी,शरद जायसवाल, प्रमोद मौर्य, श्रीमती रंजू ठाकुर, प्रमोद कुमार मौर्य ने सेवानिवृत्त इन्द्रभूषण वर्मा, रामलोटन यादव को भी पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके मंगलमय जीवन की कामना की साथ ही मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी व प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुकारी में आवारा पशुओं का आतंक किसानों का हाहाकार

बांदा। जनपद के नरैनी तहसील अंतर्गत ग्राम पुकारी में आवारा पशुओं का आतंक किसानों के लिए अभिशाप बन चुका है। खेतों में बोई गई ज्वार, अरहर, धान, तिल, मूंग और सोयाबीन जैसी फसलों को आवारा पशु बेरहमी से नष्ट कर रहे हैं, जिससे किसान आर्थिक संकट और भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। गुस्साए किसानों ने उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन कर परगना अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें पूर्व में संचालित अस्थाई मंडी गौशाला को तत्काल पुनरू शुरू करने की मांग की गई। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें अनसुनी रहीं, तो वे पलायन को मजबूर होंगे। प्रदर्शन का नेतृत्व समाजसेवी रामकिशोर उपाध्याय छोटेलाल दिवाकर ने किया, जिसमें राजाराम बर्मा, सत्यवान केवट, भवानीदीन दिवाकर, शिवाकांत सोनी, राजाराम अहिरवार सहित दर्जनों किसानों ने हिस्सा लिया। ष्जय जवान, जय किसानष और षौवंशों को संरक्षित करोष के नारे गूंजते रहे।

उप मुख्यमंत्री ने जनपद के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को अपने गृह जनपद पहुंचकर मां शीतला देवी अतिथि गृह सयारा में जनपद के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कौशाम्बी में बाढ़ की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बाढ़ व वर्षा के कारण जिन लोगों के मकान गिर गये हैं उन सभी लोगों को मुख्यमंत्री आवास योजना की सुविधा से लाभान्वित किया जाय। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग अलर्ट रहते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल कैंप लगाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करे जिससे बीमारी न फैल सके। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करा लिया जाय। बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित किया जाय। बाढ़ का पानी घटने के बाद हुई फसल क्षति का सर्वे कराकर शीघ्र ही संबंधित किसानों को उनकी फसल क्षति का मुआवजा उपलब्ध करा दिया जाय। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत से कहा कि मां शीतला धाम में खराब ट्रांसफार्मर को आज ही बदलवा दिया जाय। उन्होंने कहा कि जनपद के नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों व महत्वपूर्ण स्थानों के लिए स्टॉक में ट्रांसफार्मर रखा जाय जिससे खराब होने पर तत्काल ट्रांसफार्मर बदला जा सके। विद्युत फाल्ट की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल ठीक कराकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाय। ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि पर भी विशेष ध्यान देते हुए प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित किया जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अझुवा में फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में तेजी लायी जाय। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही किया जाय। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का सर्वे कर उन्हें अन्य विभिन्न योजनाओं से भी लाभान्वित किया जाय। वर्षा के दृष्टिगत वर्षा का जल अमृत सरोवरों व तालाबों में जा रहा है या नहीं इसे देखा जाय तथा आवश्यक कार्यवाही करा लिया जाय। वृहद पौधारोपण के अन्तर्गत रोपित किए गए पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने को निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में गठित स्वयं सहायता समूहों की समीक्षा कर समूह के सुचारू रूप से संचालन को सुनिश्चित कराया जाय। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं को उद्यम करने के लिए उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाय।

उन्होंने पुलिस अधीक्षक से कहा कि आगामी त्यौहार के दृष्टिगत जनपद में आपराधिक घटनायें न होने पाये इसके लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाय। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के नलकूपों के बिजली बिलों को माफ कर दिया है। नलकूप किसानों से अपील है कि वें अन्य छोटे किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए उनसे कम दर पर पैसा लें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद के युवाओं को अपना स्वयं का स्वरोजगार करने के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण उपलब्ध कराया जाय। जनपद में विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विकास परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध पूर्ण कराया जाय। जल-जीवन मिशन के अंतर्गत कराये जा रहें कार्यों का सत्यापन कराने एवं प्राप्त हो रही शिकायतों का समाधान कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह योजना माननीय प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।

वर्तमान में डेयरी लाइन की स्थापना हो चुकी है जिस पर उप मुख्यमंत्री ने आगामी एक सप्ताह में संचालित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को जनपद में अमरूद एवं केला के फसल को और बढ़ावा दिए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

अमान्य विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई ठंडी पड़ी, स्कूल संचालकों के हौसले बुलंद

सफीपुर-उन्नाव। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सफीपुर ब्लॉक में संचालित अमान्य विद्यालयों के खिलाफ जुलाई में शुरू किया गया अभियान अब ठंडे बस्ते में चला गया है। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिसों के बावजूद स्कूल संचालक बिना डर के कक्षा 10 तक की पढ़ाई करवा रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारी अनीता शाह द्वारा गोवई, ओसिया, रहीमाबाद, और पावा गांवों में बिना मान्यता के स्कूलों का निरीक्षण किया गया था। जांच में सामने आया कि कई विद्यालयों की मान्यता सिर्फ कक्षा 5 या 8 तक थी, फिर भी वहां कक्षा 10 तक छात्र पढ़ते पाए गए। सभी संचालकों को नोटिस देकर दो दिन में जवाब देने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन 10S15 दिन बीत जाने के बाद भी न तो कोई जवाब मिला, न ही कोई कार्रवाई की गई। बीईओ अनीता शाह ने बताया कि अब तक कोई जवाब नहीं आया है, इसलिए बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गई है। उच्चाधिकारियों के आदेश पर जल्द वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खुले पड़े नालों से जानवरों की जान पर मंडरा रहा खतरा

शुक्लागंज-उन्नाव। गंगा बैराज मार्ग स्थित ट्रांस गंगा सिटी में खुले पड़े नालों की वजह से जानवरों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। मंगलवार को एक बार फिर ऐसा ही एक हादसा हुआ, जब एक गौवंश खुले नाले में गिर गया। इसे गौरक्षक दल और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह घटना मंगलवार दोपहर की है, जब ट्रांस गंगा सिटी के पास घूम रहा एक गौवंश अचानक एक खुले नाले में जा गिरा। वहां से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने उसे निकालने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान, गौरक्षक दल भी मौके पर पहुंच गया। दोनों की संयुक्त कोशिशों से गौवंश को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इसके बाद, तुरंत उसका उपचार कराया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांस गंगा सिटी में सीवर टैंक और नाले कई जगहों पर खुले पड़े हैं, जिसके कारण आए दिन गौवंश इनमें गिर जाते हैं।

अजमेर में मासूम की संदिग्ध मौत

बांगरमऊ-उन्नाव। राजस्थान के अजमेर में एक चार वर्षीय मासूम की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतक की मां रीना अपने बेटे ऋतिक का शव लेकर मंगलवार को अपने मायके मोहल्ला नौनिहाल गंज बांगरमऊ पहुंची। मां का कहना है कि सोमवार देर रात बेटे को तेज़ बुखार हुआ था, जिससे उसकी मौत हो गई। परंतु मृतक के पिता संजय दुबे ने फोन पर पत्नी पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले में गंभीर संदेह जताया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। रीना ने अपने पति से करीब आठ साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। दोनों के तीन बच्चे हैं, जिनमें ऋतिक की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी और विधिक कार्यवाही की जाएगी।

जर्जर छज्जा गिरने से 6 वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत

शुक्लागंज-उन्नाव। अंबेडकर नगर में 40 वर्ष पुराने जर्जर मकान का छज्जा गिरने से 6 वर्षीय बालिका नयना पुत्री अरुण श्रीवास्तव की दर्दनाक मौत हो गई वही मोहल्ले वालों ने बताया की नयना आज दिन में 3:30 बजे बारिश हो रही थी और छज्जे के नीचे खेलते हुए कटोरी में पानी लेकर आयी इतने में ही जर्जर मकान का छज्जा गिर गया सिर पर गंभीर चोट लगने से बालिका नयना की घटना स्थल पर ही मौत हो गई दौड़ कर मोहल्ले की महिलाओ ने छज्जे के गिरे अवशेष हटाकर बच्ची को उठाया लेकिन तबतक बच्ची का देहावसान हो चुका था मौत की खबर सुनते ही घर और मोहल्ले के लोग इकठ्ठा हो गये और माँ प्रीती रों रों कर बदहावस हो गईं पूरे मोहले में शोक की लहर है।

जनता दर्शन में एसडीएम ने सुनी 17 फरियादें पांच प्रकरणों का मौके पर निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा-उन्नाव। स्थानीय तहसील सभागार में मंगलवार को उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। एसडीएम ने कुल 17 मामलों को गंभीरता से सुना, जिनमें भूमि विवाद, नाम संशोधन व पारिवारिक विवाद शामिल रहे। मौके पर पांच मामलों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। वृंदावन नाम के व्यक्ति का नाम खतौनी में गलत दर्ज था जिसे तत्काल शुद्ध कर नई खतौनी जारी की गई। इसके अतिरिक्त दुर्गापुर, खानजादा, जोतपुर, कालूखेड़ा व जाजमऊ (कानपुर) से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं प्रकट कीं। एसडीएम श्रीवास्तव ने आश्वासन दिया कि शेष मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। कार्यक्रम में तहसीलदार आशुतोष पांडेय समेत राजस्व विभाग की पूरी टीम मौजूद रही।

फ्रॉड की कई धनराशि आवेदक के खाते में वापस

शुक्लागंज- उन्नाव। उन्नाव पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना गंगाघाट पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गूगल पे के माध्यम से धोखाधड़ी कर निकाले गए 2,96,100 में से 1,00,000 की राशि आवेदक के खाते में वापस करा दी है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सीताराम कॉलोनी निवासी अवनीश गुप्ता, पुत्र दिनेश चंद्र गुप्ता ने 25 मार्च 2025 को थाना गंगाघाट में एक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि गूगल पे के जरिए दो अलग-अलग लेनदेन में उनके साथ कुल 2,96,100 की धोखाधड़ी हुई है। इस शिकायत के आधार पर, थाना गंगाघाट में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 और आईटी एक्ट की धारा 66 के तहत मु0अ0सं0 220/25 पंजीकृत किया गया।

धूमधाम से मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज- उन्नाव। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने श्छोटे लोहियाश के नाम से मशहूर दिवंगत नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती धूमधाम से मनाई। यह कार्यक्रम गंगाघाट कोतवाली के सामने स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर, समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जनेश्वर मिश्र के जीवन और उनके समाजवादी आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने हमेशा गरीब और वंचितों के हक के लिए संघर्ष किया और उनके विचार आज भी हम सभी को प्रेरित करते हैं। वक्ताओं ने युवाओं से उनके दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष गंगाघाट अरविंद यादव, नवनीत शुक्ला, पूर्व नगर अध्यक्ष उमालाल यादव, महिला सभा की नगर अध्यक्ष आशा अग्रवाल, आदित्य पांडेय, धीरज यादव, गितानंद यादव और विक्रम सिंह

भदौरिया सहित कई अन्य समाजवादी साथी उपस्थित रहे।

शहर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न

बांदा। शहर कांग्रेस कमेटी बांदा की मासिक बैठक शहर अध्यक्ष अफसाना शाह की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय बांदा में लखनऊ से आए कोआर्डिनेटर देवेंद्र पांडेय की निगरानी में संपन्न हुई जिसमें अब तक के संगठन सृजन का जो कार्य बांदा शहर में हुआ है उसकी स्थिति पर चर्चा हुई। कोआर्डिनेटर देवेंद्र पांडेय ने कहा कि प्रत्येक शहर पदाधिकारी एवं प्रत्येक विभाग, प्रकोष्ठ अध्यक्ष, प्रत्येक मंडल अध्यक्ष एवं प्रत्येक वार्ड अध्यक्ष संगठन सृजन की इस कड़ी में 10-10 नए कार्यकर्ता जोड़े, तैयार करें तथा जो इससे अधिक तैयार कर लेंगे उनको अलग से सम्मानित भी किया जाएगा। देवेंद्र पांडेय ने कहा माननीय राहुल गांधी जी को हमें मिलकर ताकत देना है। कांग्रेस की ताकत बढ़ाना है जब हम मिलकर ताकतवर बनेंगे तो अधिक उत्साह से राष्ट्रीय हित के कार्य करेंगे। हमारे सामने चुनौतियां बहुत हैं किंतु हम सामना करने में सक्षम है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि हम मिलकर आइये साथ चले संगठन सृजन महाभियान में लग जाए।

बाढ़ प्रभावित गांव का बबेरू विधायक ने किया दौरा बांटी राशन किट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। बबेरू क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से बाढ़ को झेल रहे बबेरू विधानसभा के इटर्रा गांव वासियो की मदद के लिए विधायक ने हाथ बढ़ाया।बबेरू विधानसभा से सपा विधायक विशम्भर सिंह यादव कमासिन ब्लाक अंतर्गत इटर्रा गांव पहुँचकर बाढ़ के हालात जाना साथ ही बाढ़ पीड़ितों को राशन सामग्री किट वितरित किये वही विधायक ने कहा कि ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी प्रकार की सरकारी मदद बाढ़ पीड़ितों को नही की गई, मेरे द्वारा आटा अरहर की दाल सरसो का तेल नमक सोयाबीन की बरी मसाला आलू आदि सामग्री की किट वितरित की गई ।

बाढ़ पीड़ितों में शिवदुलारी, उदयराज,शिवबली यादव ,चुनकी बेवा सुनीता देवी, राजरानी,तिजिया, ननकवा, दशरथ बर्मा, सिद्धगोपाल बर्मा, राजकुमार बर्मा, सोनू बर्मा ,भुरवा बर्मा, बाबूलाल बर्मा, मेडिया बर्मा, मंटू बर्मा, हीरामनी कोटार्य, रामसूरत कोरी,राजा निषाद, रामदेव बर्मा,बीरेंद्र कोरी,आदि को राशन किट दी गई।इस दौरान शिवबरन यादव के के महंत पुत्तन सिंह अखिलेश पाल उदयवीर यादव विजयकरण श्रीवास अभिषेक बर्मा राममिलन यादव पत्तू यादव ओमप्रकाश यादव उमेश निषाद रामबाबु गुप्ता सुरेश यादव चंद्रपाल यादव सुनील यादव भगवानदीन आदि मौजूद रहे

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

एकमिश यूनिट/जोन: Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway

नीलामी सूची सं0	SMU-BCN-MKG-25
कार्य का विवरण:	Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.08.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	18.08.2025 at 10:40 hrs.

E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	BACHHRAWAN	Catg-LKO-BCN-SMU-97-24-1	BCN/PF-2/4/ADDL	18-08-2025 at 10:30 hrs	SMU	SC
2	MANAK NAGAR	Catg-LKO-MKG-SMU-93-24-1	MKG/PF-1/41/ADDL	18-08-2025 at 10:40 hrs	SMU	SC-WOMEN

2369/2025 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, लखनऊ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सं०	106-Sig-Tender-17-2025-26
अनुमानित लागत	₹ 35,82,908.16/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	₹ 71,700.00 /-
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	25/08/2025 15:30 बजे तक

www.ireps.gov.in

दिनांक: 31.07.2025

2365/25

मंडी समिति से बनी गोला सिकंदराबाद रोड से कैमहरा लिंक मार्ग हुआ जर्जर

- ग्रामीणों ने मंडी समिति के अधिकारियों पर लगाया अनदेखी का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला सिकंदराबाद मार्ग पर कैमहरा जाने वाला संपर्क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आपको बताते चलें कि गोला सिकंदराबाद मार्ग पर कैमहरा जाने वाला संपर्क मार्ग जिस पर लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों का आवागमन रहता है। मंडी समिति से

बनी यह रोड कई वर्षों से खस्ताहाल हालत में पड़ी हुई है। बरसात के मौसम में बड़े-बड़े गड्ढे जो कि छोटे मोटे तालाब का रूप ले लेते हैं। जिससे राहगीरों को निकालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बच्चों को स्कूल जाने में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर ग्रामीण अवध नारायण बाजपेई, कृष्ण कुमार बाजपेई, रमाकांत बाजपेई, अनिल कुमार बाजपेई, अतुल बाजपेई, प्रकाश नारायण बाजपेई, विनय बाजपेई क्षेत्र पंचायत सदस्य,अनुज बाजपेई, कुलदीप बाजपेई, मैना देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य, रामदुलारे भार्गव, सर्वजीत सिंह ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द इस रोड का निर्माण कराया जाए। जिससे हम लोगों को होने वाली दिक्कतों से निजात मिल सके। ग्रामीणों ने बताया विगत बर्ष 2019 में इस सड़क का निर्माण हुआ था जो देख रेख के अभाव मे काफी जर्जर हो चुकी है।

पवन कुमार वर्मा प्रधान सहायक का तहसील सभागार में भव्य विदाई समारोह

अतर्रा/ बांदा । अतर्रा तहसील में पवन कुमार वर्मा प्रधान सहायक अध्यक्ष उत्तर प्रदेश मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ बांदा द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर अतर्रा तहसील सभागार में भव्य विदाई समारोह कराया गया। मौके पर तहसीलदार अतर्रा राजीव यादव, शिवम कुमार मार्य नायब तहसीलदार अतर्रा, राजेश पांडे , प्रशांत तिवारी, अनुराग शुक्ला, महिषी देवी शिखा मिश्रा, राम भजन द्विवेदी व जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट बांदा से प्रशानिक अधिकारी राजबहादुर ,अशरफ अली प्रधान सहायक, रमेश असलहा बाबू, सोनिया चौहान, रईस अहमद आशुतोष शुक्ला, प्रमोद द्विवेदी, अमित शर्मा, सुभाष, तथा शिक्षा संघ नरैनी से विनय सिंह अध्यक्ष व सुनील कुमार महामंत्री तथा समस्त पत्रकार बंधु वकील बंधु वी अन्य गणमन व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी लोगों ने प्रेम और स्नेह के साथ उज्जव भविष्य के साथ बधाई दी।

बांदा में जश्ने ईद मिलादुन्नबी की तैयारियां शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन बारह रबीउलअव्वल की तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। यूपी के बांदा में आगामी 5 सितंबर में होने वाले जुलूस ए मोहम्मदी की रूपरेखा बनाई जाने लगी है और साथ ही सजावट की भी तैयारी पर रूपरेखा बन चुकी है, बांदा की मर्दननाका शहर कमेटी ने इस संबंध में आज एक मीटिंग की, जश्ने ईद मिलादुन्नबी की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की और उसको अंतिम रूप दिया गया। इस मौके पर कमेटी के पदाधिकारियों के चुनाव की भी प्रक्रिया वोटिंग के माध्यम से की गई, जिसमें हर साल की तरह इस साल भी कमेटी का अध्यक्ष हाजी गुफरान को चुना गया तो वहीं कमेटी के तमाम पदाधिकारियों का चुनाव भी निर्वाचन प्रक्रिया के तहत किया गया। इस बैठक में सजावट के नए रूप पर चर्चा की गई और बरसात को देखते हुए वॉटरप्रूफ लाइटिंग की व्यवस्था पर सहमति बनी, वहीं जुलूस ए मोहम्मदी में किसी भी तरह से किसी कोई परेशानी ना हो इसको लेकर सभी पदाधिकारी और सदस्यों को जागरूक किया गया और इसके साथ ही शासन और प्रशासन की जारी तमाम गाइडलाइन्स की मौजूद लोगों को विस्तार से जानकारी दी गई। मर्दन नाका शहर कमेटी के संरक्षक अबरार सिद्दीकी ने बताया कि पिछले 26 सालों से बदस्तूर जश्ने ईद मिलादुन्नबी मनाया जा रहा है।

और इस साल भी इसे और अच्छा रूप दिया जाएगा जिससे अमन और शांति का संदेश लोगों तक पहुंच सके। इसके साथ ही शहर कमेटी के अध्यक्ष हाजी गुफरान ने पूरे कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सभी कमेटी के सदस्यों की वेशभूषा से लगाकर जश्ने मोहम्मदी पर किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई है और आगामी रणनीति तैयार की गयी। बैठक को मुख्य रूप से संरक्षक अबरार सिद्दीकी, मोहम्मद अलीम और हाजी गुफरान ने संबोधित किया। बैठक में कमेटी सलाहकार जुल्फिकार अहमद सिद्दीकी, महामंत्री सलमान खान, सचिव नुसरत खान, कोषाध्याय शानू खान, उपाध्यक्ष रियाज, मानू ,मुस्लिम, जाहिद, इजहार, इदरीस, तौफीक, शाहरुख, समीर, फैसल, काशिफ, अफसर, मजहर समेत सभी सदस्य गण और मोहल्ले के लोग शामिल रहे।

बंदरों के मसीहा बने राष्ट्रीय बजरंग दल के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। राष्ट्रीय बजरंग दल के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल ने मंगलवार को एक अनोखा कार्य करते हुए गोला नगर के लखीमपुर रोड पर स्थित कोटवारा जंगल में बंदरों को केला खिलाया। इस दौरान उन्होंने बंदरों के साथ समय बिताया और उनकी जरूरतों को समझने की कोशिश की। बंदरों को केला खिलाने से न केवल उनकी भूख मिटती है, बल्कि यह उनके लिए एक स्वस्थ आहार भी प्रदान करता है। इस आयोजन के पीछे का उद्देश्य भले ही अभी तक स्पष्ट न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से एक दिलचस्प और अनोखा प्रयास था। आकाश की इस पहल से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी और जानवरों के प्रति दया और

सहानुभूति की भावना को बढ़ावा मिलेगा। इस तरह की पहल से लोगों में जानवरों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे भी जानवरों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रेरित होंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया, मनोज शुक्ला, पंकज सिंह तोमर, अखिलेश जायसवाल, दीपक दीक्षित उर्फ कल्लू, पारुल मिश्रा, मुकेश जायसवाल, सन्नी कनौजिया, अवनीश कुमार वर्मा और सुमित जायसवाल सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार के इनामिया शातिर अपराधी गिरफ्तार

अज़ान खीरी। मितौली पुलिस और स्वाट टीम ने एक सफल मुठभेड़ के बाद 50 हजार रुपये के इनामिया शातिर अपराधी इरफान को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इरफान के पैर में गोली लगी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी मितौली के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे के नेतृत्व में मितौली पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। गिरफ्तार अभियुक्त इरफान पुत्र खानू निवासी गुलरा टांडा थाना मझगई जनपद खीरी के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उसके पास से एक अवैध देशी तमंचा 12 बोर और कारतूस बरामद हुए हैं। इस संबंध में थाना मितौली में मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध पार्किंग संचालक से पैसा लेनदेन पर हुआ विवाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्रावण मास के दौरान नगर में जगह-जगह पर अवैध रूप से बनाई गई पार्किंग के नाम से धन उगाही करते समय मोटरसाइकिल खडी करने को लेकर कांवरियों से हुए विवाद को लेकर स्टैंड चालक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कावरिया की पिटाई करने का मामला कोतवाली में जाने के बाद पुलिस ने स्टैंड मालिक और दो अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई।

जानकारी अनुसार श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को बाबा भूतनाथ मेला के दौरान सुल्तानपुर जिला सीतापुर से जलाभिषेक करने के लिए छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ अपनी वाइफ से आए कांवर्थी शोभित जोशी पुत्र राजेंद्र जोशी ने विश्वकर्मा चौराहा बाइक पार्किंग स्टैंड पर खड़ी करने के उपरांत बाइक वापस लेने आए शोभित जोशी से बाइक स्टैंड मालिक राहुल कुमार से बाइक स्टैंड चार्ज लेनदेन को लेकर कहा सुनी होने पर कांवर्थी शोभित जोशी से विपक्षी राहुल कुमार पुत्र खूब लाल निवासी काशीराम कॉलोनी ने अपने दो साथियों से मिलकर मारपीट कर घायल कर दिया गया। इस मारपीट में प्रार्थी का साथी मोनू पटेल को भी घायल किया गया। जान माल की धमकी देने के साथ घायल प्रार्थी शोभित जोशी द्वारा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई किए जाने की मांग पर पुलिस ने विपक्षी राहुल कुमार एवं दो अन्य अज्ञात साथियों के विरुद्ध धारा 115(2) 351(2) 350 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जांच कार्यवाई शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट का आदेश बेअसर: ओमप्रकाश के हत्यारे खुले आम घूम रहे, पीड़िता को मिल रही जान से मारने की धमकी

गोला गोकर्णनाथ खीरी। फूलबेहड़ पुलिस पर कोर्ट का आदेश बेअसर होता नजर आ रहा है, जहां ओमप्रकाश के हत्यारे खुले आम घूम रहे हैं और पीड़िता पारुल को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पारुल के पति ओमप्रकाश की 2020 में हत्या कर दी गई थी, जिसमें रामू यादव और इंद्रेश को आरोपी बनाया गया था। कोर्ट ने इन आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन पुलिस ने अभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़िता पारुल का आरोप है कि आरोपियों के समर्थक भी उन्हें धमकी दे रहे हैं और उनकी हत्या करने की साजिश रच रहे हैं। इस मामले में कोतवाल अवध राज सिंह सेंगर का कहना है कि आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जाएगा। लेकिन पीड़िता के आरोपों के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

पीएम फसल बीमा योजना: बीमा तिथि बढ़ी, अब 30 अगस्त तक करा सकेंगे बीमा

लखीमपुर खीरी। किसानों को राहत देते हुए भारत सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब ऋणी किसानों के लिए यह तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 अगस्त 2025 कर दी गई है, वहीं गैर ऋणी किसानों के लिए यह तिथि 14 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि गैर ऋणी किसान अपना आधार कार्ड, स्वप्रमाणित फसल बुवाई घोषणा पत्र, नवीनतम खतौनी की नकल, बैंक पासबुक की छायाप्रति (ऋक्ष्ए कोड सहित) लेकर नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या बैंक शाखा में जाकर निर्धारित प्रीमियम राशि जमा कर बीमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऋणी किसान अपने बैंक से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर लें कि उनकी फसल का बीमा किया गया है या नहीं। यदि अब तक बीमा नहीं हुआ है तो तुरंत बैंक को सूचित कर बीमा कराएं। फसल बीमा के लिए इस वर्ष यूनिवर्सल सैम्पू इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को नामित किया गया है। अब तक 7000 से अधिक किसान इस योजना से जुड़ चुके हैं। किसान खरीफ सीजन की अधिसूचित फसलें जैसे कि धान, मक्का, उड़द और मूंगफली का बीमा करा सकते हैं। योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं, कीट, रोग, ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटना, भूस्खलन, बिजली गिरना, चक्रवात या बेमौसम वर्षा से फसल को क्षति होने पर किसानों को बीमा लाभ मिलेगा। यह योजना फसल की असफल बुवाई से लेकर कटाई के बाद खेत में सुखाई तक की अवधि में नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करती है। योजना के तहत बीमित किसान आपदा की स्थिति में 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देकर क्लेम प्रक्रिया शुरू करा सकते हैं। इसी नंबर पर कॉल कर योजना से जुड़ी अन्य जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती हैं। जिला कृषि अधिकारी ने अपील की है कि जनपद के समस्त किसान अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़कर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाव सुनिश्चित करें।

भारी बारिश से किसानों की फसलों पर मिला-जुला असर

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तेज मूसलाधार बारिश के चलते गांव क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। इस बारिश के चलते विलहरी क्षेत्र के कई गांवों में गन्ने की फसल को काफी नुकसान हुआ है। कैमहरा, जडौरा पकरिया, देवरिया, कपहरा, बघमराय, बेलाबोझी, बांसगांव सहित एक दर्जन से अधिक गांवों में तेज बारिश और हवा के झोंकों ने गन्ने की फसल को चौपट कर दिया है, जिससे किसानों में मायूसी है। हालांकि, इस बारिश ने धान, केला और बाजरा जैसी फसलों के लिए वरदान साबित हुई है। इन फसलों को पानी मिलने से किसानों को बड़ी राहत मिली है और उनके चेहरे पर खुशी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, लगातार पड़ रही गर्मी से भी लोगों को निजात मिली है और मौसम सुहाना हो गया है। वर्तमान में, गोला गोकर्णनाथ खीरी के किसानों को अपनी फसलों की देखभाल के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे हैं।

श्री रूद्रमहायज्ञ के चतुर्थ दिवस पर अरणी मंथन और हवन-पूजन का भव्य आयोजन

अजान खीरी। श्री रूद्रमहायज्ञ के चतुर्थ दिवस पर गांव शेरपुर में धार्मिक आयोजन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार बाजपेई के नेतृत्व में आचार्यों ने पूजन कराया और यजमानों सपत्नीक से वैदिक मंत्रोच्चारण कर अरणी मंथन कर अग्नि प्रज्वलित कराई। तत्पश्चात हवन पूजन कराया गया, जिसमें यजमानों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवनकुंड में आहुति दी। यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार बाजपेई ने बताया कि अग्निदेव प्राकट्य होते ही वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यजमानों से हवनकुंड में आहुति शुरू हुई। इस अवसर पर बारिश की वजह से कुछ व्यवधान जरूर आया।

रोडों के निर्माण में गड़बड़ी पाए जाने पर पालिका ने रोका पेमेंट, जारी की नोटिस

- शहर की नगर पालिका व पांडे बाबा रोड निर्माण में पालिका को मिली थी शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। पलिया नगर पालिका ने रोड़ों के निर्माण कार्य में लोगों की शिकायत के साथ निर्माण कार्य में मिली गड़बड़ी पर पालिका ईओ ने ठेकेदारों को नोटिस जारी करते हुए पेमेंट पर रोक लगा दी गई थी।

बता दें कि नगर पालिका द्वारा किए गए रोडों सहित सामानों की खरीदारी में गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर गहमागहमी का माहौल चल रहा है। पूरे मामले की शिकायत भाजपा विधायक रोमी साहनी से भी की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक रोमी साहनी ने सोमवार को फोन पर जेई से वार्ता करते हुए उनकी फटकार लगाई थी और पेमेंट न किए जाने की चेतावनी भी दी थी। मंगलवार को पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता ने इस संबंध में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पालिका द्वारा रोडों के निर्माण कार्य में मिली शिकायतों के आधार पर संबंधित ठेकेदारों को पहले ही नोटिस जारी करते हुए पेमेंट पर रोक लगाई गई थी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका और पांडे बाबा रोड का निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका था। पालिका के ईओ विजय बहादुर यादव ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच के बाद ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने बताया कि जो भी खरीद्दारी होती है वह जेम पोर्टल के माध्यम से कराई जाती है। उन्होंने बताया कि अन्य मामलों में भी शिकायत मिलती है कि उसकी भी जांच कराई जाएगी।

छोटी काशी में कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा से स्वागत

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला छोटी काशी में पवित्र श्रावण मास के अवसर पर कांवड़ियों और शिव भक्तों का स्वागत पुष्पवर्षा करके किया गया। इस अवसर पर मैलानी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भवानी शंकर माहेश्वरी, गोला नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला और भाजपा जिला उपाध्यक्ष गुरमीत कौर सहित कई भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। इन पदाधिकारियों ने शिव मंदिर गोला में कांवड़ियों और शिव भक्तों का स्वागत पुष्पवर्षा करके किया और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस तरह के आयोजनों से श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान होता है और क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर लक्ष्मण गुप्ता, अनिल जलोटा, प्रियंकल जलोटा, राजू पटवा, सचिन गुप्ता, प्रियांशु शुक्ला, रविन्द्र कटियार, अमन राठौर, अंश अवस्थी आदि भाजपा पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर कांवड़ियों और शिव भक्तों का स्वागत किया और उनकी यात्रा को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

गोला में भारी बारिश: मेला मैदान और सड़कें जलमग्न, किसानों को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर एवं आसपास के क्षेत्र में झमाझम हो रही बारिश के चलते एक तरफ भीषण गर्मी से आम लोगों को राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ ताल तलाईयों के साथ लबालब पानी से भरे खेतों को देखकर किसानों में हर्ष की लहर दौड़ गई। नगर क्षेत्र में 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के कारण नगर का मेला मैदान और आसपास की सड़कें जलमग्न हो गई हैं। जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ इस बारिश से किसानों के खेत भर जाने से उन्हें गन्ने की सिंचाई और धान की बुवाई के लिए राहत मिली है। किसानों का कहना है कि इस बारिश के बाद वे अपने खेतों में लैया धान की बेड लगाने में जुट गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बारिश से उनकी फसल अच्छी होगी और उन्हें अच्छा मुनाफा मिलेगा। इस भारी बारिश के चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है और वे अपने घरों से बाहर निकलकर बारिश का आनंद ले रहे हैं।

विद्या मंदिर के कम्प्यूटर लैब में एसी, वाटर कूलर, ओपेन जिम का उद्घाटन

- प्रधानचार्य रामप्रताप व प्रबंधक रामबचन तिवारी के दिशा निर्देश पर विद्यालय नित नए आयाम स्थापित कर रहा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। नगर के मोहल्ला सुभाष नगर में विद्या भारती के अग्रणी विद्यालय तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कम्प्यूटर लैब में इ. ए, वाटर कूलर , ओपेन जिम का उद्घाटन एवं गोवर्धन आशा फाउंडेशन के पूजा नंदा एवं उबके पति विपुल नंदा द्वारा प्रदत्त शिक्षण कक्ष का लोकार्पण क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती हेमचंद्र के कर कमलों द्वारा, प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह मिथलेश अवस्थी, (प्रदेश निरीक्षक जन शिक्षा समिति)की अध्यक्षता में सुरेश सिंह की उपस्थिति में किया गया। लोकार्पण के पश्चात अतिथियों द्वारा परिसर में पौधे लगाए गए रोटरी क्लब के पदाधिकारी अनूप श्रीवास्तव (प्रेसिडेंट रोटरी क्लब), संदीप कोहली (ट्रक्ए), डीके श्रीवास्तव, गगन मिश्रा, सलिल अग्रवाल, राजीव गुप्ता, राजेंद्र कुमार वर्मा, रितेश अग्रवाल, सीताराम गर्ग के द्वारा प्रदस्त कम्प्यूटर लैब मे इए, वाटर कूलर , ओपेन जिम एवं एक शिक्षण कक्ष विद्यालय को दान में दिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया इसके पश्चात मां सरस्वती की वंदना की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम प्रताप सिंह के द्वारा आए हुए सभी सम्मानित अतिथियों का परिचय कराया गया। संगठन मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि विद्या भारती का शिशु /विद्या मन्दिर चलाने का उद्देश्य है कि अच्छी संस्कार युक्त एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा की व्यवस्था करना। आज के युग में कम्प्यूटर शिक्षण अत्यंत आवश्यक है विद्यालय के प्रबंधक राम बचन तिवारी ने सभी का धन्यवाद करते हुए अपने वक्तव्य में बताया कि *दान देने के लिए मन चाहिए धन तो ईश्वर देता ही है।* और उन्होंने चौपाई के माध्यम से बताया कि ''गुरु गृह गए पढ़न रघुराई, अल्प काल विद्या सब आई'' अर्थात जब भगवान राम गुरु के पास पढ़ने गए तो उन्होंने बहुत ही कम समय में सारी विद्या प्राप्त कर ली द्य विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि *''यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता:''* अर्थात जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर सहसंघ चालक एवं प्रतिष्ठित व्यापारी सलिल अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा ''कि शिक्षा और समाज एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। शिक्षा समाज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और समाज शिक्षा के विकास में मदद करता है। शिक्षा व्यक्तियों को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जिससे वे अपने जीवन में सफल हो सकते हैं और समाज में योगदान कर सकते हैं। शिक्षा लोगों को अधिक जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील बनाती है, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों का विकास होता है। '' कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की आचार्या अंजली श्रीवास्तव के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में मातृ भारती की सभी पदाधिकारी , गुड़िया तिवारी, रीता सिंह, कुमुद महेन्द्रा , नीतू सिंह, सुमन मौर्या , सुषमा कनौजिया, पूर्व छात्र परिषद के पदाधिकारी अंकुर ,एकल विद्यालय, छात्र सांसद, कन्या भारती, ग.ए.ए घोष के प्रमुख आचार्य मनोज मौर्य एवं छात्र छात्राएं , डॉक्टर रवीन्द्र सिंह जोशी, न्यू लाइट हॉस्पिटल के चेयरमैन अजय प्रताप सिंह चौहान, सह प्रबंधक शिवपाल सिंह प्रतिष्ठित व्यापारी विजय नारायण महेंद्रा, एवं पत्रकार बंधु,नगर के सम्मानित नागरिक अभिवावक , समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

गोला पुलिस की सफल कार्रवाई: वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में वारंटी अभियुक्त सर्वेश पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम खडरहिया थाना गोला को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत की गई है।

प्रभारी निरीक्षक गोला अम्बर सिंह ने बताया कि मंगलवार को थाना गोला पुलिस द्वारा उक्त अभियुक्त को संबंधित धारा 128 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तार किया गया और बाद में उसे न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता दिखाई देती है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

[illegible]

निविदा सं०	106-Sig-Tender-18-2025-26
कार्य का नाम	[illegible]

अनुमानित लागत	₹ 51,30,407.84	निविदा प्रपत्र की कीमत	[illegible]
धरोहर राशि	₹ 1,02,700.00	कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.08.2025 15:30 बजे तक		
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	[illegible]		

[illegible]

निविदा सू० सं०-106-सिग-टेन्डर-18/2025-26 दिनांक: 04.08.2025

2372/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हर कप्तान सिराज जैसा गेंदबाज चाहता है : गिल

एजेंसी

लंदन। ओवल टेस्ट में भारत की इंग्लैंड के ऊपर छह रनों की रोमांचक जीत के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि जब मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज गेंदबाज़ी कर रहे होते हैं तो बतौर कप्तान उन्हें अधिक सोचने की जरूरत नहीं पड़ती। गिल ने कहा, 'हमारे पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज़ हैं, जब यह दोनों गेंदबाजी करते हैं तो कप्तानी आसान प्रतीत होने लग जाती है। दोनों गेंद को भरपूर हरकत कराते हैं। जिस तरह से आज सुबह दोनों ने गेंदबाजी की वह काबिले-तारीफ है। विशेषकर जिस तरह से सिराज ने हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की, हर कप्तान अपनी टीम में उनके जैसा गेंदबाज चाहता है। अंतिम दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को जीत के लिए चार विकेट चाहिए थे। ओवरकास्ट परिस्थितियों में सिराज और प्रसिद्ध दोनों को गेंद से भरपूर मदद प्राप्त हो रही थी और सिराज के तीन और प्रसिद्ध को एक सफलता की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को जीत से छह रन दूर रख दिया। गिल ने कहा कि दिन का खेल शुरू होने से पहले उन्हें और उनकी टीम को इस बात का एहसास था कि इंग्लैंड का खेमा दबाव में होगा। गिल ने कहा, 'हमें पता था कि इंग्लैंड के खेमे में दबाव है और हम इसी सोच के साथ आए थे कि उनके ऊपर से दबाव कम नहीं होने देना है। क्योंकि दबाव टीमों को वो चीजें करने पर मजबूर करता है जो वे नहीं करना चाहतीं। इस प्रदर्शन से मैं काफी खुश हूं। बतौर कप्तान के साथ ही बतौर बल्लेबाज ही यह सीरीज गिल के लिए खुशी के अवसर लेकर आई। गिल ने इस सीरीज में चार शतकों की बदौलत 75.40 की औसत से सर्वाधिक 754 रन बनाए, जिसमें एजबेस्टन में लगाया दोहरा शतक भी शामिल था। गिल को उनके इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। हालांकि इंग्लैंड दौरा शुरू होने से पहले गिल के सामने बतौर बल्लेबाज़ भी कई चुनौतियां थीं। इस दौरे से पहले विदेशी सरजमीं पर गिल का बल्लेबाजी औसत 35 से अधिक था। हालांकि गिल ने बल्ले के साथ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को जवाब दिया। गिल ने कहा कि इस सीरीज से पहले उन्होंने काफी मेहनत की थी। गिल ने कहा, 'इस सीरीज से पहले मैंने काफी मेहनत की थी।

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: सिराज

लंदन। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, ''हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था।

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन भारतीय क्रिकेट के शब्दकोश से गायब हो जाएगा: गावस्कर

एजेंसी

लंदन। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफ़ों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? वह पांव में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाज़ी करने आए थे। आप खिलाड़ियों से यही उम्मीद करते हैं। भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, ''आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और यही हमने मोहम्मद सिराज में देखा। मुझे लगता है कि सिराज ने पूरे दिल से गेंदबाजी की और उन्होंने काम के बोझ जैसे शब्द को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने लगातार 7-8 ओवर गेंदबाजी की क्योंकि कप्तान उनसे यही उम्मीद कर रहा था और देश को भी उनसे यही उम्मीद थी। गावस्कर ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध टीम के चयन में बाधा नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, ''यदि आप उन लोगों के आगे झुक जाएंगे जो कार्यभार के बारे में बात कर रहे हैं, तो देश के लिए मैदान पर कभी भी आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं होंगे। मुझे उम्मीद है कि अब कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। कार्यभार सिर्फ मानसिक स्थिति है शारीरिक नहीं।

संक्षिप्त समाचार

करीबी श्रृंखलाएं, जब कौशल और साहस की कड़ी परीक्षा हुई

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21: संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी। भारत बनाम श्रीलंका, 2015: इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11: यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा। भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12: अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था। ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17: यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू श्रृंखला में पहली हार थी। न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18: जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22: यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

सर्जरी के बाद सूर्यकुमार यादव ने किया बल्लेबाजी अभ्यास

बेंगलुरु। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहली बार बल्लेबाजी अभ्यास किया। यह सत्र पिछले हफ्ते के अंत में हुआ और अभी वह बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। सर्जरी जर्मनी में हुई थी और उसके बाद से सूर्यकुमार की रिकवरी धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। अगले कुछ हफ़्तों में उनका वर्कलोड बढ़ाया जाएगा ताकि वे मैच फिटनेस की ओर लौट सकें। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार नौ सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए समय पर वापसी कर लेंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक, शुरुआती योजना उन्हें अगस्त के अंत में बांग्लादेश दौरे पर होने वाली टी20 सीरीज के लिए फिट करने की थी, लेकिन वह सीरीज बाद में रद्द कर दी गई। सूर्यकुमार की आखिरी पेशेवर क्रिकेट भागीदारी जून में मुंबई टी20 लीग में ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्टर्न के लिए थी, जहां उन्होंने चार पारियों में 122 रन बनाए। उन्हें वेस्ट जोन की दलीप ट्रॉफी टीम में भी शामिल किए जाने की चर्चा थी, लेकिन संभावना है कि वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। वेस्ट जोन को सीधे सेमीफ़ाइनल में एंट्री मिली है, जो 4 सितंबर से शुरू होंगे, जबकि भारतीय टीम के पहले हफ्ते में यूएई रवाना होने की उम्मीद है। सूर्यकुमार के लिए अंतिम रिहैब चरण में कुछ प्रैक्टिस मैच और सिमुलेशन अभ्यास आयोजित किए जा सकते हैं ताकि उन्हें टूर्नामेंट से पहले मैच अभ्यास मिल सके। एशिया कप भारत के लिए 2026 टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का शुरुआती चरण होगा, जिसे भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करने वाले हैं। अगर सूर्यकुमार इस टूर्नामेंट में उतरते हैं, तो यह उनके लिए टी20 कप्तान के तौर पर पहला बहु-देशीय टूर्नामेंट होगा।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता: वॉन

लंदन। पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे और उसके चार विकेट बचे थे। भारत ने शानदार वापसी करते हुए छह रन से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। वॉन ने कहा, ''बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। इंग्लैंड ने (पांचवें दिन सुबह) हड़बड़ी दिखाई। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा, ''उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। जिस तरह से वे आक्रामक होकर खेलते हैं उसमें वे हड़बड़ी दिखाते हैं। कल (रविवार) दोपहर हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया।

बेंगलुरु एफसी ने खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर जारी असमंजस के बीच बेंगलुरु एफसी ने अपने पहले टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकने का फैसला किया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा,''भारत में एक फुटबॉल क्लब चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है, जिसे हम हर सीज़न पूरी निष्ठा के साथ करते आए हैं। लेकिन लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी ने हमें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। हमारे खिलाड़ियों, स्टाफ और उनके परिवारों की भलाई हमारे लिए सर्वोपरि है और हम इस मसले के समाधान तक लगातार उनके संपर्क में हैं। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय उनके युवा कार्यक्रमों पर असर नहीं डालेगा, ''हम खेल और अपने संचालन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे युवा पुरुष और महिला टीमें, साथ ही बीएफसी सॉकर स्कूल्स इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे। हम अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से अपील करते हैं कि इस गतिरोध को शीघ्र समाप्त करें। यह अस्थिरता किसी के हित में नहीं है और भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए त्वरित समाधान जरूरी है। गौरतलब है कि 11 जुलाई को आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने 2025ऽ26 सीज़न को ‖अस्थायी रूप से स्थगित‡ करने की घोषणा की थी, जिसके पीछे अनुबंध संबंधित समस्याएं बताई गई थीं। इसके अगले दिन एआईएफएफ ने कहा था कि वह लीग की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। जानकारी के अनुसार, एफएसडीएल और एआईएफएफ के बीच मौजूदा मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यही समझौता लीग की संरचना, संचालन और व्यावसायिक ढांचे की नींव है। आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक खेले जाने वाली आईएसएल के संचालन और उससे जुड़ी ब्रॉडकास्टिंग योजनाओं के लिए सभी हितधारकों को दीर्घकालिक स्पष्टता की आवश्यकता है। इस बीच, एआईएफएफ ने गुरुवार को नई दिल्ली में आईएसएल की आठ क्लबों के सीईओ के साथ बैठक बुलायी है, जिसमें भारतीय फुटबॉल से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा होगी।

कनाडाई किशोरी मबोको सेमीफाइनल में, अब मुकाबला रयबाकिना से

मॉन्ट्रियल। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं। मबोको का सामना अब एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन मैं इसे भूल चुका हूं: पहलवान अमन सहरावत

एजेंसी

लखनऊ। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे। छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए ज़िंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक ज़िम्मेदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं। लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया। विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने पीटीआई से कहा, ''ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है। अमन ने कहा, ''इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं। शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, ''अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। अमन ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं। पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया।

ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को अपने उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का खाका करेगी पेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को अपने वार्षिक कार्यक्रम में उसके उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों से जुड़ा खाका पेश करेगी। वार्षिक कार्यक्रम 'संकल्प' 15 अगस्त को तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित ओला इलेक्ट्रिक की 'गीगाफैक्ट्री' में आयोजित होगा। कंपनी ने बयान में कहा, '' कंपनी, संकल्प-2025 के दौरान अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में 'इंडिया इनसाइड विजन' पेश करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि संकल्प-2025 इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा क्रांति को अगले स्तर पर ले जाने की दिशा में एक साहसिक कदम है। बयान में कहा गया कि यह देश की पहली लिथियम-आयन सेल निर्माण सुविधा 'गीगाफैक्ट्री' में कंपनी का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.4 से 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान: डेलॉयट इंडिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। परामर्श समेत अन्य सेवाएं देने वाली कंपनी डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को कहा कि मजबूत घरेलू बुनियाद और बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 से 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, इसने यह भी कहा कि भारत को अपने व्यापार जोखिम पर नजर रखनी चाहिए और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं से उत्पन्न नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। डेलॉयट इंडिया के अनुसार, रणनीतिक व्यापार वार्ताएं आय, रोजगार, बाजार पहुंच और घरेलू मांग को बढ़ाने वाले शक्तिशाली कारकों के रूप में काम करेंगी। इन वार्ताओं में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के अलावा अमेरिका के साथ जारी बातचीत और वर्ष के अंत तक यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित समझौता शामिल हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.5 प्रतिशत रही थी। डेलॉयट ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.4 से 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। यह अनुमान मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई और घरेलू नीति व वैश्विक व्यापार कूटनीति में साहसिक कदम पर आधारित है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, ''भारत की आर्थिक वृद्धि उतार-चढ़ाव वाले वैश्विक परिदृश्य में भी अलग ही नजर आती है। हमारी गति मजबूत पूंजी बाजार, गतिशील उपभोक्ता आधार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल के जरिये संचालित है। परामर्श कंपनी ने कहा कि भारत अपनी वैश्विक व्यापार उपस्थिति का विस्तार करने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहा है। हाल के व्यापार समझौते रणनीतिक लाभ प्रदान करते हैं।

एंट फाइनेंशियल ने 3,803 करोड़ रुपये में वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नयी दिल्ली। उद्योगपति जैक मा की एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी पूरी 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,803 करोड़ रुपये में बेच दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कंपनी के शेयर में गिरावट आई। एंट ग्रुप ने अपनी सहयोगी कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी के माध्यम से नोएडा स्थित वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर बेच दिए हैं। एंट ग्रुप को पहले एंट फाइनेंशियल के नाम से जाना जाता था। यह चीनी समूह अलीबाबा ग्रुप की एक सहयोगी कंपनी है। 'टर्म शीट' की समीक्षा के अनुसार, बिक्री में वन97 कम्युनिकेशंस के 3.73 करोड़ शेयर या 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। ये शेयर 1,020 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचे गए, जो सोमवार को एनएसई पर पेटीएम के 1,078.20 रुपये के बंद भाव से 5.4 प्रतिशत कम है। 'टर्म शीट' के अनुसार, न्यूनतम मूल्य पर सौदे का आकार करीब 3,803 करोड़ रुपये (लगभग 43.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आंका गया है। गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया ने इस सौदे के लिए निर्गम प्रबंधन के रूप में काम किया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,510 रुपये से 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये से लेकर 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,960 रुपये से लेकर 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,12,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वाराणसी: गंगा की रौद्र लहरें बाढ़ के उच्चतम बिंदु के निकट पहुंची, प्रभावित क्षेत्र का बढ़ रहा दायरा

ग्रामीण अंचल में पशुओं के चारे का संकट,शहरी क्षेत्र के प्रभावित इलाकों में लोगों की परेशानी बढ़ी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी की रौद्र लहरें खतरे के निशान को पार कर बाढ़ के उच्चतम बिंदु 73.901 मीटर के करीब पहुंच गई हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार मंगलवार सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 72.22 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर कुछ देर स्थिर रहने के बाद फिर आधा सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ने लगा। अपरान्ह दो बजे गंगा का जलस्तर 72.23 मीटर दर्ज किया गया। इसके बाद फिर जलस्तर स्थिर हो गया।

गंगा का पानी लगातार बढ़ने से तटवर्ती इलाकों के मंदिर, सभी 84 घाटों के संपर्क मार्ग और निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। घाटों पर आमजन के जाने पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। कई मंदिरों के सिर्फ शिखर ही अब दिखाई दे रहे हैं। जलभराव के कारण शहर के अस्सी, दशाश्वमेध, शीतला घाट और सामने घाट जैसे प्रमुख क्षेत्र भी बाढ़ की चपेट में हैं। सामने घाट से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर तक की सड़क डूब गई है, जिससे आमजन की आवाजाही ठप हो गई है। जिले के ग्रामीण अंचल पिसौर, मरुई, सिहोरवां और जक्खिनी जैसे गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है।

इन गांवों में आने-जाने वाले मार्ग पूरी तरह डूब चुके हैं। सैकड़ों हेक्टेयर में फैली खड़ी फसलें पानी में समा चुकी हैं, इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। पशुओं के लिए चारे का संकट ग्रामीणों के सामने नई मुसीबत बन गई है। बढ़ते जलस्तर के कारण मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट को छोड़ राजघाट, डोमरी, सरायमोहाना, गढ़वाघाट, सिपहिया घाट और रमना का शवदाह स्थल डूब गया है। मणिकर्णिका घाट की गलियों में सतुआ बाबा आश्रम से ही नावें चल रही हैं और शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर भी अंतिम संस्कार गलियों में किया जा रहा है, जिससे धार्मिक कार्यों में भारी दिक्कतें पेश आ रही हैं। बाढ़ को देख शवदाह के लिए लकड़ी विक्रेता और नाविक भी मनमाने दाम वसूल रहे हैं। हरिश्चंद्र घाट की गलियों में अस्थायी रूप से अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक कार्यों में भारी परेशानी हो रही है। बाढ़ के हालात को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। रामनगर किला भी पानी की चपेट में आ गया है, वहीं नगवा नाले से पानी संकटमोचन मंदिर तक पहुंच गया है। इससे आसपास के इलाकों में आधा दर्जन से अधिक परिवारों का जीवन प्रभावित हुआ है। संभावना है कि अगले 24 घंटे में साकेतनगर, रोहितनगर, सरायनंदन, बटुआपुरा और डुमराव बाग कॉलोनी जैसे क्षेत्रों में भी पानी पहुंच सकता है। ज्ञान प्रवाह नाले के चैनल गेट की निगरानी के लिए सिंचाई विभाग के कर्मचारी तैनात हैं, और कॉलोनियों से पानी निकालने के लिए पंप लगाए गए हैं। कई मार्ग, जैसे पंचक्रोशी-पांडेयपुर और सलारपुर-रघुनाथपुर, बाढ़ के कारण बंद हो चुके हैं। सुरक्षा के मद्देनज़र गंगा और वरुणा के तटवर्ती बस्तियों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है, जिससे पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का संकट गहराता जा रहा है। जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने बीते सोमवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया था और राहत शिविर में जाकर पीड़ितों से मुलाकात कर प्रशासन को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए थे।

मुरादाबाद में रामगंगा नदी का जलस्तर 188.90 मीटर पहुंचा

मुरादाबाद। पहाड़ी क्षेत्रों के साथ मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर नदियों पर दिखाई दे रहा है। बारिश की वजह से मुरादाबाद में रामगंगा नदी के जलस्तर में इजाफा हुआ है। नदी का जल स्तर 24 घंटे में लगगभ एक मीटर ऊपर उठा है। मंगलवार को रामगंगा नदी का जलस्तर 188.90 मीटर पहुंच गया। बाढ़ खंड विभाग का मानना है कि जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। रामगंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे मोहल्लों के लिए खतरा बढ़ सकता है। हर वर्ष जलस्तर बढ़ने में कई गांवों में नदी का पानी घुस जाता है। बाढ़ के हालात में मुख्यालय से गांवों का संपर्क टूट जाता है। जिले के गांवों में रामगंगा नदी, कोसी नदी और फीका नदी में पानी बढ़ने के कारण बाढ़ के हालात बनते हैं। फिलहाल रामगंगा नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को रामगंगा नदी का जलस्तर 187.67 मीटर था, वहीं मंगलवार की सुबह 8 बजे 188.90 मीटर पहुंच गया है। उधर कोसी नदी में भी लालपुर बैराज से 5834 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जल स्तर कम होते ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दिया जाए : प्रबंध निदेशक

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभु कुमार ने मंगलवार को हुकुलगंज मोहल्ला में वरुणा नदी से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। प्रबंध निदेशक ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल स्तर कम होते ही प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की बहाली का कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिया जाए। साथ ही, संकट की इस घड़ी में उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सतत एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

वाराणसी नगर निगम का नया कार्यालय भवन बनेगा, प्रदेश शासन ने पहली किश्त दी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर निगम का नवीन छह मंजिल भवन बनने का रास्ता अब साफ हो गया है। नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश ने इस सम्बन्ध में स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम किश्त भी जारी कर दी है। प्रदेश शासन ने परीक्षणोपरान्त 96.99 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें से 25 प्रतिशत धनराशि नगर निगम को अपने स्रोतों से उपलब्ध कराना होगा। नगर विकास विभाग ने इस कार्य के लिए कन्स्ट्रक्सन एण्ड डिजाइन सर्विसेज (सी.एण्ड.डी.एस.) को कार्यदायी संस्था नामित किया है। इसके लिए 35 प्रतिशत राज्य सरकार अंश यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क अधिकारी ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि सदन भवन परियोजना का निर्माण ई.पी.सी. मोड पर नियोजन विभाग की ओर से निर्धारित मॉडल आर.एफ.पी. तथा एस. ओ. पी. के आधार पर नामित कार्यदायी संस्था करेंगी। नगर निगम का भवन न होने के कारण पिछले कई वर्षो से सदन की कार्यवाही टाउनहाल स्थित सभागार में किया जा रहा था। महापौर अशोक कुमार तिवारी के अथक प्रयासों से नवीन सदन भवन बनने का रास्ता साफ हुआ है। यह नवीन भवन नगर निगम के उत्तरी छोर पर 70 हजार वर्गफीट में बनेगा। इस सदन भवन में 300 पार्षदों की क्षमता का सदन हाल, महापौर कक्ष एवं कार्यालय, पार्षद कक्ष, प्रशासनिक खण्ड, सभी विभागों के लिये अलग-अलग विभागीय खण्ड, डाटा सर्वर सेन्टर, पी.आर. सेन्टर, पावर बैकअप सिस्टम, डी.जी. सेट, सी.सी.टी.वी., स्पीकर, फर्नीचर, लिफ्ट, दिव्यांगजनो के लिए सुविधा, भूमिगत पार्किंग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, फायर फाईटिंग इत्यादि सभी सुविधाओं से सुसज्जित निर्माण कराया जायेगा। नवीन सदन भवन जिस भूमि एवं भवन पर निर्मित होना है, उस ओर के सभी कार्यालयों को दूसरे भवन में पूर्व में ही स्थानान्तरित किया जा चुका है। महापौर ने बताया कि इस नवीन सदन भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जायेगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि इस भवन की गुणवत्ता मानक के अनुरूप होगी। प्रयास होगा कि शीघ्र ही नगर निगम को नया भवन प्राप्त हो सके।

आल्हा-ऊदल के शौर्य का प्रतीक कजली मेले का 10 अगस्त से होगा आगाज

महोबा। वीरभूमि के नाम से विख्यात बुंदेलखंड की ऐतिहासिक नगरी महोबा में लगने वाला उत्तर भारत का मशहूर ऐतिहासिक कजली मेला वीर आल्हा-ऊदल के शौर्य, पराक्रम एवं मातृभूमि से प्रेम का प्रतीक है। 843 वर्ष पहले आल्हा ऊदल ने साधु वेश में दिल्ली के नरेश पृथ्वीराज चौहान को युद्ध में पराजित किया था। तब से कजली मेला हर वर्ष विजयोत्सव के रूप में लगता चला आ रहा है। दस अगस्त से शुरू होने वाले इस मेले में बुंदेलखंड के हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, झांसी, ललितपुर, जालौन के अलावा मध्य प्रदेश के कई जिलों से हजारों लोग शामिल होंगे। वीरभूमि का ऐतिहासिक कजली मेला चंदेल राजा परमाल के शासन से जुड़ा है। बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर ने जानकारी देते हुए बताया कि सन 1182 में राजा परमाल की बेटी चंद्रावल सखियों के साथ भुजरियां विसर्जित करने कीरत सागर जा रही थीं। इसी दौरान दिल्ली नरेश पृथ्वीराज चौहान ने महोबा पर आक्रमण कर दिया था। वह बुंदेलखण्ड पर विजय प्राप्त करना चाहते थे। महोबा को चारों ओर से घेर लेने की सूचना कन्नौज में रह रहे आल्हा-ऊदल को मिली। आल्हा-ऊदल चचेरे भाई मलखान के साथ साधु वेश में महोबा पहुंचे। कीरत सागर तट पर आल्हा-ऊदल और पृथ्वीराज चौहान के बीच भयंकर युद्ध हुआ। चौबीस घंटे चली लड़ाई में विजय प्राप्त होने के बाद राजा परमाल की बेटी चंद्रावलि ने सखियों के साथ कीरत सागर में भुजरियां विसर्जित की थीं। इसके बाद पूरे राज्य में जश्न मनाया गया था। तभी से विजयोत्सव के रूप में कजली मेला लगता चला आ रहा है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि 10 अगस्त को नगर में शोभायात्रा का आयोजन होगा। जिसमें झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। जिसके बाद प्रतिदिन 16 अगस्त तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

ड्रोन संचालन को दिशा-निर्देश जारी किए, बिना परमिशन ड्रोन उड़ाने पर होगी गैंगस्टर की कार्यवाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। जालौन पुलिस अधीक्षक ने ड्रोन के उपयोग और संचालन को लेकर मंगलवार को प्रेस वार्ता में ड्रोन से जुड़े नियमों, सुरक्षा उपायों और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, जिले में ड्रोन के गैर-कानूनी इस्तेमाल पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी जारी की।

एसपी दुर्गेश कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी ड्रोन नियम 2021 पहले से ही प्रभावी है, जबकि ड्रोन परिचालन नीति 2023 में कुछ नए प्रावधान जोड़े गए हैं। इन नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति या संस्था ड्रोन संचालित करती है, तो उसे डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर सूचना दर्ज कराना आवश्यक है। किसी भी स्थिति में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर सख्त पाबंदी होगी। ड्रोन नियम 2021 के तहत, जिला पुलिस अधीक्षक को यह अधिकार है कि वह 96 घंटे (4 दिन) के लिए किसी भी इलाके में ड्रोन के उपयोग पर रोक लगा सकते हैं। प्रत्येक पुलिस थाने में एक ड्रोन रजिस्टर तैयार किया जाएगा, जिसमें ड्रोन से सम्बंधित सभी तकनीकी जानकारियां दर्ज की जाएंगी। यदि कोई व्यक्ति या संस्था ड्रोन का उपयोग करती है, तो उसकी पूरी जानकारी इस रजिस्टर में अंकित की जाएगी।

शादी-विवाह जैसे आयोजनों में ड्रोन का उपयोग अवैध माना जाएगा, जब तक कि पहले से अनुमति न ली गई हो। सोशल मीडिया के लिए रील या वीडियो बनाने हेतु ड्रोन का उपयोग भी कानून का उल्लंघन माना जाएगा। ऐसा करते हुए पाए जाने पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती है। यदि कोई सरकारी विभाग ड्रोन का उपयोग करना चाहता है, तो उसे अधिकारियों को सूचित करना होगा और आवश्यक अनुमति लेनी होगी। यदि कोई संदिग्ध ड्रोन गतिविधि दिखाई दे, तो लोगों को तुरंत नजदीकी थाने या कंट्रोल रूम को सूचित करना चाहिए। अफवाहों पर स्वयं कार्रवाई न करें। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन को लेकर कुछ अवैध घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि ड्रोन को डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत कराएं। थाने में ड्रोन की जानकारी दर्ज कराएं। कानूनी प्रक्रिया का पालन करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई होगी।

देश को टीबी मुक्त करने के लिये जनसहभागिता जरुरी : आनंदीबेन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारत को कैंसर एवं टीबी मुक्त करने के लिए सभी नागरिकों को आगे आने की जरुरत है। पंडित अटल बिहारी बाजपेयी उपेक्षा गृह बस्ती में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कैंसर और टीबी ऐसी बीमारी है जिसकी चपेट में लगभग हर परिवार है। इससे निपटने के लिए अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करना होगा। जब हम स्वस्थ्य रहेंगे तभी हमारा देश विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि कैंसर से बचने के लिए एचपीवी टीका लगना शुरू हो गया है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में एक लाख लड़कियों को ये टीका लगाया गया है और ये जन सहयोग से सफल हुआ है। इस टीके का मूल्य मात्र 1200 रूपया है। अगर हम लोग देश को विकसित राष्ट्र बनाना चाहते है तो सबसे पहले हमें निरोग रहना होगा और अपने बच्चों को शिक्षित करना होगा। टीबी से लड़ाई के लिए केवल अधिकारी ही नहीं बल्कि सभी नागरिक आगे आये। राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से कहा कि कैंसर से बचने के लिए अपनी 14 साल की बच्चियों को 1200 रूपये में कैंसर का टीका अवश्य लगवाये और गांव के बच्चों की सूची बनाकर जिलाधिकारी को सौंपे जिससे सभी लोगों को टीका लग सके। उन्होने कहा कि केन्द्र तथा प्रदेश सरकार गम्भीर बीमारियों से बचने के लिए निरन्तर जागरूकता अभियान चला रही है लेकिन यह अभियान तभी सफल होगा जब हम लोग उनका साथ देगे।

10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का एनसीसी ग्रुप कमांडर लखनऊ द्वारा निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ मुख्यालय के अंतर्गत 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में कैंप कमांडेंट कर्नल (डॉ) दिनेश कुमार पाठक तथा प्रशासनिक अधिकारी मेजर दिव्या शर्मा के नेतृत्व में दो एम टी बटालियन एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में चल रहे 10 दिवसीय शिविर में आज दिनांक 05 अगस्त 2025 को लखनऊ ग्रुप एनसीसी मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया क्र उनके आगमन पर सर्वप्रथम बालिका कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया तत्पश्चात उन्होंने शिविर में चल रहे प्रशिक्षण, ट्रेनिंग एरिया, लिविंग एरिया, चिकित्सकीय व्यवस्था, कुक हाउस का अवलोकन किया। कैंप प्रशिक्षण अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने कैंप की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कैडेट्स को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं को अच्छा नागरिक बनाना है और इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कैंप में चल रहे प्रशिक्षण की उन्होंने सराहना की और कैडेट्स को सदैव दृढ़ संकल्पित होकर सकारात्मक दृष्टिकोण से अपने लक्ष्य पर केंद्रित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात ग्रुप कमांडर ने बरेली में आयोजित थल सैनिक कैंप में उत्तर प्रदेश निदेशालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में लखनऊ मुख्यालय की टीम के कैडेट्स को सम्मानित किया जिन्होंने प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। तदुपरांत कैंप कमांडेंट कर्नल (डॉ.) दिनेश कुमार पाठक ने ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव , ग्रुप कमांडर एनसीसी ग्रुप लखनऊ को धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात एनसीसी गान, राष्ट्र गान तथा भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।